website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 267 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 04 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

इस्लाम के नाम पर 'चुप' करा दिए गए जावेद अख्तर

● कोलकाता में भारी विरोध, फ्री स्पीच की निकल गई हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता में उर्दू अकादमी की ओर से सिनेमा,उर्दू और शायरी पर चार दिनों का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह एक सरकारी संस्था है। लेकिन, दो मुस्लिम संगठनों ने इस कार्यक्रम में शायर-गीतकार जावेद अख्तर की मौजूदगी का विरोध क्या किया, यह समारोह शुरू होने से पहले ही स्थगित कर दिया गया। मुस्लिम संगठनों की आपत्ति ये थी कि जावेद अख्तर नास्तिकता को मुखरता के साथ रखते हैं। इस घटना ने यह बहस छेड़ दी है कि क्या पश्चिम बंगाल में धार्मिक संवेदनशीलता की गिरफ्त में आकर राजनीति ने इसकी संस्कृति का दायरा घटा दिया है।

मुस्लिम संगठनों का विरोध, कार्यक्रम करना पड़ा रद्द- पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी की ओर से चार दिनों के लिए यह कार्यक्रम साहित्य और सांस्कृतिक उत्सव के तौर पर आयोजित किया गया था। इस समारोह का फोकस हिंदी सिनेमा में उर्दू का योगदान था। यह 31 अगस्त से 3 सितंबर तक आयोजित होना था। इस कार्यक्रम को स्थगित करने को लेकर जारी आधिकारिक बयान में अकादमी की ओर से सिर्फ अपरिहार्य परिस्थितियां वजह बताया गया है। द हिंद की एक रिपोर्ट के अनुसार उर्दू अकादमी के सूत्रों ने बताया है कि राज्य सरकार ने इसमें इसलिए दखल दिया, क्योंकि 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले वह राज्य में किसी भी तरह का उपद्रव नहीं चाह रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी प्रशासन को चिंता थी कि अगर अख्तर पर सियाही भी फेंक दी गई तो कार्यक्रम में खलल पड़ सकता था। जैनब ने कहा, अपरिहार्य परिस्थितियों से रद्द करना पड़ा।

● **खुद नास्तिक होने का दावा करते हैं जावेद अख्तर-** जहां तक जावेद अख्तर की शख्सियत की बात है तो वह खुद को लंबे समय से तर्कवादी बताते रहे हैं। 2019 में उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा था,मैं नास्तिक हूं और मैं यह खुलेआम कहता हूं। मैं चाहता हूं कि लोग विवेकी और तार्किक बनें...कुछ लोग इसका उलटा चाहते हैं....हमें अपने मिशन के लिए विवेकपूर्ण तरीके से आगे बढ़ना होगा, नहीं तो फंडो (संभवत: कट्टरपंथी) हमें हाशिए पर डाल देंगे।

● **लोगों को जीने और खुलकर बोलने का अधिकार-** मुस्लिम संगठनों की धमकियों के बाद जिस तरह से बंगाल में उर्दू अकादमी उत्सव को रद्द किया गया है, उसे प्रदेश की संस्कृति पर आघात की तरह देखा जा रहा है। मानव अधिकार कार्यकर्ता शबनम हाशमी ने कहा है कि लोगों को जीने और खुलकर बोलने का अधिकार है। वह कहती हैं, भारत न तो हिंदू राष्ट्र है और न ही एक मुस्लिम देश।

पंजाब के 12 जिलों में बाढ़, 29 की मौत

● उत्तराखंड में स्कूल बंद,दिल्ली में उफनाई यमुना

● जलस्तर बढ़ा, कई कॉलोनियां खाली कराई गईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश जारी है। पंजाब के पठानकोट, फिरोजपुर समेत 12 जिले एक हफ्ते से बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में 1,312 गांवों के 2.56 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक 29 लोगों की मौत हो गई है। भिवानी, हिसार, सिरसा,

यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में आज कुछ स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। गुरुग्राम के दफ्तरों में कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं। उधर, दिल्ली में यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद मंगलवार को ट्रांस-यमुना क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पानी घुस गया। यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास के इलाकों की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अपना जरूरी सामान लेकर राहत शिविरों में जाने की अपील की है। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। सोमवार को उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर लैंडस्लाइड से दो लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए।

पहाड़ों से गिरे पत्थर, जमींदोज हो गए कई मकान

तस्वीरों में भयंकर नजर आ रहा अफगानिस्तान का भूकंप

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में मरने वालों की संख्या 1411 हो गई है, जबकि घायलों का आंकड़ा 3250 से ज्यादा हो गया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक तालिबान ने इसकी जानकारी दी है। अफगानिस्तान में जलालाबाद के पास रविवार रात 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इस वक्त

ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दुनियाभर से मदद मांगी हैं। इसके बाद भारत ने मदद के लिए 1000 टेंट काबुल भेजे हैं। साथ ही, 15 टन खाने का सामान काबुल से कुनार भेजा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि भारत आगे भी राहत सामग्री भेजेगा।

हम अलग-अलग चर्चा नहीं करेंगे

सिर्फ संविधान देखेंगे

राज्यपालों-राष्ट्रपति के लिए डेडलाइन से जुड़े मामले में बोला एससी

एससी ने कहा-राष्ट्रपति के मामले में हम संविधान की व्याख्या करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह संविधान की व्याख्या सिर्फ राष्ट्रपति के मामले में करेगा, किसी राज्य या व्यक्ति से जुड़े अलग-अलग मामलों में नहीं। कोर्ट ने यह टिप्पणी राज्य सरकार द्वारा भेजे बिलों पर राज्यपालों और राष्ट्रपति के साइन करने के लिए डेडलाइन लागू करने वाले मामले में की।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना या कर्नाटक जैसे राज्यों का उदाहरण देंगे, तो केंद्र को भी जवाब दाखिल करना होगा। इस पर सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने कहा-हम अलग-अलग राज्यों के मामलों पर चर्चा नहीं करेंगे, बल्कि केवल संविधान की धाराओं को देखेंगे।

सुनवाई में सिंघवी ने कहा कि अगर विधानसभा किसी बिल को वापस नहीं भेजना चाहती तो वह अपने आप अस्वीकृत हो सकता है। अगर राज्यपाल बिल को विधानसभा को लौटाते ही नहीं हैं, तो अनुच्छेद 200 की प्रक्रिया ही रुक जाएगी। दरअसल, मई में राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से पूछा था कि क्या अदालत ऐसा कर सकती हैं। यह विवाद काफी लंबे समय से चल रहा है।

'एजुकेट गर्ल्स' एनजीओ को मिलेगा रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड

● सम्मान पाने वाली पहली भारतीय संस्था, 20 लाख से ज्यादा बच्चियों को वापस स्कूल लौटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'एजुकेट गर्ल्स' एनजीओ को 2025 के रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। एशिया का यह सर्वोच्च सम्मान पहली बार किसी भारतीय संस्था को मिला है। यह पुरस्कार एजुकेट गर्ल्स को स्कूल बीच में ही छोड़ चुकी लड़कियों को वापस शिक्षा से जोड़ने की पहल के लिए दिया है। इस पहले के चलते अब तक उन्होंने 2 करोड़ से भी ज्यादा बच्चियों को वापस स्कूल से जोड़ा है। ये सम्मान पाकर एजुकेट गर्ल्स का नाम सत्यजीत रे, एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी, किरण बेदी, विनोबा भावे, दलाई लामा, मदर टेरेसा और ऑस्कर विजेता हायाओ मियाजाकी के साथ शामिल हो गया है। एजुकेट गर्ल्स की स्थापना 2007 में सफीना हुसैन ने की थी। वह लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से ग्रेजुएट हैं और 2007 तक सैन फ्रांसिस्को में काम कर रही थीं। इसके बाद उन्होंने भारत लौटकर महिला निरक्षरता को दूर करने का बीड़ा उठाया।

7 नवंबर को मिलेगा सम्मान

2025 के सभी विजेताओं को यह सम्मान 7 नवंबर 2025 को फिलीपींस की राजधानी मनीला के मेट्रोपॉलिटन थिएटर में आयोजित 67वीं रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड सेरेमनी में औपचारिक रूप से दिया जाएगा। इस मौके पर उन्हें मेडल और सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। कार्यक्रम को फाउंडेशन के आधिकारिक फेसबुक और यूट्यूब चैनल पर लाइव देखा जा सकेगा।

केसीआर ने अपनी बेटी के कविता को किया सस्पेंड

दिखाया बाहर का रास्ता, चचेरे भाई पर साधा था निशाना

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में बड़ी सियासी हलचल सामने आई है। भारत राष्ट्र समिति के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने अपनी बेटी के. कविता को पार्टी से सस्पेंड कर दिया है। अमेरिका से लौटी बीआरएस की एमएलसी ने पिता केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच होने पर चचेरे भाई हरीश राव पर निशाना साधा था। के. कविता ने आरोप लगाया था कि पिता के खिलाफ जांच हरीश राव की रेवंत रेड्डी के साथ मिलीभगत के चलते हो रही है। के. कविता द्वारा चचेरे भाई और पूर्व मंत्री हरीश राव को निशाने पर लिए जाने के बाद केसीआर ने यह निर्णय लिया।

जरांगे आंदोलन खत्म करने को हो गए तैयार

● फणनवीस की सरकार के सामने रख दीं तीन शर्तें

कहा- हम जीत गए, एचसी में अब आज सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे को मुंबई के अनशन स्थल आजाद मैदान पर 3 सितंबर की सुबह तक रुकने की अनुमति दे दी। इससे पहले अदालत ने मंगलवार दोपहर 3 बजे तक मैदान खाली करने को कहा था। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को भी फटकार लगाई। कहा कि प्रशासन ने उसके आदेशों को लागू क्यों नहीं किया। इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री जरांगे से मिलने पहुंचे। इसके बाद उन्होंने कहा, हम जीत गए हैं। अगर सरकार आरक्षण की मांगों पर जीआर जारी कर देती है तो वह मुंबई छोड़ देंगे।

मेरी मां को गाली दी, यह देश की हर मां का अपमान

● पीएम मोदी बिहार में बोले-कांग्रेस-आरजेडी ने किया है पाप ● कहा-छठ मईया से माफी मांगें, जहां मिलें वहां विरोध कीजिए

पटना (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में 27 अगस्त को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां को गाली दी गई। 7वें दिन पीएम मोदी ने सामने आकर गाली देने का जवाब दिया है। पीएम ने कहा, बिहार में कुछ दिन पहले जो कुछ हुआ उसकी मैंने कल्पना नहीं की थी। बिहार में कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं ये देश की मां-बहन, बेटी का अपमान है। पीएम ने कहा, इस घटना की जितनी पीड़ा मेरे दिल में है उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों के दिल में।

● **मां अपनी पीड़ा कभी नहीं कहती थी-** बारिश का मौसम आते ही मां घर को सही करवाती थी, ताकि छत ना टपके। मां बीमार हो फिर भी पता नहीं चलने देती थी। काम करती रहती थी। काम पर जाती थी। मां कभी कठिनाइयों का पता नहीं चलने नहीं देती थी। वो अपने लिए कभी कोई नई साड़ी नहीं खरीदती थी। एक-एक पैसा बचाती थी, ताकि बच्चों के लिए कपड़े बनवा ले। मां का स्थान देवी-देवताओं से ऊपर माना जाता है। बिहार के ही संस्कार हैं।

कांग्रेस-राजद का अत्याचार नहीं सहेंगे

आज से 20 दिन बाद नवरात्र शुरू होगी इसके बाद छठ मइया की पूजा होगा। छठ का पर्व मनाया जाएगा। भारत की धरती ने मां का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं किया है। मैं बिहार के लोगों से भी कहूंगा, इस अपमान की भरपाई बिहार के हर बेटे की जिम्मेदारी है। आरजेडी और कांग्रेस के नेता जहां भी जाएं, जिस गली में भी जाएं। उन्हें चारों तरफ आवाज आनी चाहिए। उनसे जवाब मांगना चाहिए। हर गली से आवाज आनी चाहिए मां को गाली नहीं सहेंगे नहीं सहेंगे।

पंजाब में एएपी विधायक हिरासत से हो गए फरार

● थाने लाते वक्त फायरिंग की, पुलिसकर्मी को कुचला

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब की सन्नौर विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा पुलिस हिरासत से फरार हो गए हैं। मंगलवार सुबह उन्हें हरियाणा के करनाल के डाबरी गांव से हिरासत में लिया था। पुलिस उन्हें पटियाला के रास्ते पंजाब के थाने ले जा रही थी, जहां रास्ते में पठानमाजरा और उनके साथियों ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी और गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की, जिससे एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पठानमाजरा और उनके साथी एक स्कॉर्पियो और एक फॉर्च्यूनर में फरार हो गए।

जोशीमठ के बाद संकट में चमोली का नंदानगर घाट

● जमीन में समाने लगा यह क्षेत्र, 34 परिवारों ने घर छोड़ा ● बाजार खाली, जोशीमठ में 2 साल पहले धंसाव हुआ था

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में जोशीमठ के बाद अब चमोली जिले का नंदानगर घाट पूरी तरह जमींदोज होने की कगार पर है। पिछले हफ्ते हुई लगातार बारिश और भूस्खलन ने पूरे कस्बे की नींव हिला दी है।

शुक्रवार देर रात हालात अचानक तेजी से बिगड़ने लगे हैं। देखते ही देखते 8 मकान ढह गए। प्रशासन ने खतरा देखते हुए 34 परिवारों से घर खाली करवा दिए हैं। बाजार की 40 से दुकानों के भी ढहने का सीधा खतरा है।

इसलिए इन व्यापारियों ने भी अपनी दुकानें खाली कर दी हैं। कुछ ऐसा ही हाल जोशीमठ के घरों का भी था।

जोशीमठ जनवरी 2023 में सुर्खियों में आया, जब अचानक लैंड स्लाइड की खबरें आने लगीं और 800 से ज्यादा घरों में मोटी-मोटी दरारें आ गईं। जोशीमठ से भी प्रशासन ने करीब 181 इमारतों को खाली करा दिया था। दरारों वाले 678 घरों को लाल निशान लगाकर रहने के लिए खतरनाक बताया था।

● **मिट्टी कमजोर, इसलिए जोशीमठ सेंसिटिव एरिया-** 1976 में उत्तराखंड के गढ़वाल कमिश्नर एमसी मिश्रा की कमेटी ने जोशीमठ को लेकर बड़ी चेतावनी दी थी। कमेटी ने जोशीमठ पर की गई स्टडी के बाद खुलासा किया कि ये इलाका हाई रिस्क जोन-5 में आता है। ये इलाका पहाड़ों से नीचे आए 10 किमी लंबे मलबे के ढेर (मोरेन) पर बसा हुआ है, जिसकी मिट्टी बहुत कमजोर है।

हर मलबे की लोड बियरिंग कैपेसिटी यानी भार सहन करने की क्षमता होती है। ऐसे में यहां कोई भी बड़ा निर्माण खतरनाक साबित हो सकता है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने 2 साल पहले केंद्र को जांच रिपोर्ट सौंपी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अस्पतालों में चूहों का आतंक: मासूम की मौत ने खोली स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल

अस्पतालों में चूहों का आतंक सुनने में भले ही मामूली लगे, लेकिन जब यह भयावह हकीकत मासूम नवजातों की जान पर बन आती है तो पूरा समाज सिहर उठता है। मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध एमवाय अस्पताल में हुई हालिया घटना ने न सिर्फ चिकित्सा व्यवस्था की खामियों को उजागर किया है बल्कि यह भी दिखाया है कि हमारी संवेदनशीलता किस हद तक खो चुकी है। यह मामला इसलिए और भी दर्दनाक हो जाता है क्योंकि यह अस्पताल प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल माना जाता है, जहां आम आदमी आखिरी उम्मीद लेकर पहुंचता है। एमवाय अस्पताल के नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में भर्ती दो मासूम शिशुओं पर चूहों ने हमला किया और उनमें से एक ने दम तोड़ दिया। सोचने वाली बात है कि एनआईसीयू जैसे संवेदनशील और सख्त निगरानी वाले वार्ड में चूहों का घुस जाना किस स्तर की लापरवाही का सबूत है। ऐसे वार्ड मरीजों और परिजनों को विश्वास दिलाने के लिए बनाए जाते हैं कि यहां चौबीसों घंटे देखरेख और सुरक्षा होगी। यह विश्वास तब चकनाचूर हो जाता है जब वहां बच्चों को इलाज की जगह असुरक्षा और मौत मिलती है। सरकारें और प्रशासन समय-समय पर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दावे करते हैं, लेकिन जब अस्पतालों में इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं तो वे सारे दावे खोखले साबित होते हैं। इंदौर जैसे बड़े शहर में जहां राज्य का स्वास्थ्य ढांचा सबसे बेहतर माना जाता है, वहां ऐसी घटनाएं हो जाना पूरे सिस्टम की गंभीर विफलता को दर्शाता है। सवाल यह भी उठता है कि अगर सबसे बड़े अस्पताल में हालात इतने भयावह हैं तो छोटे शहरों और कस्बों के अस्पतालों में स्थिति किस कदर दयनीय होगी। अस्पतालों में चूहों का प्रवेश कोई अचानक घटी घटना नहीं है। यह साफ तौर पर सफाई व्यवस्था की लापरवाही, ठेकेदारी सिस्टम की खामियां और प्रशासनिक उदासीनता का नतीजा है। अस्पतालों में संक्रमण और बीमारियों से बचाव के लिए सफाई को सबसे अहम माना जाता है, लेकिन जब सफाई के इंतजाम केवल कागजों पर सीमित रह जाएं तो नतीजा ऐसे ही हादसों के रूप में सामने आता है। यह घटना इसलिए भी विचलित करती है क्योंकि अस्पतालों के ये गहन चिकित्सा केंद्र ही वह जगह होते हैं जहां लोग अंतिम उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। जब वही जगह असुरक्षा का गढ़ बन जाए तो लोगों का भरोसा पूरी तरह टूट जाता है। इस मामले ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हमारे अस्पताल सिर्फ इमारतों और मशीनों का ढांचा रह गए हैं जिनमें मानवीय संवेदनशीलता और जिम्मेदारी गायब हो चुकी है। डॉक्टर और नर्स अपनी ड्यूटी निभाते हैं, लेकिन जब तक अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन सजग नहीं होगा, तब तक ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी। अस्पतालों को केवल इलाज का केंद्र नहीं बल्कि सुरक्षित आश्रय होना चाहिए, जहां मरीज और उनके परिजन विश्वास के साथ आ सकें। जरूरत इस बात की है कि सरकार केवल जांच कमेटी गठित करने या जिम्मेदारी तय करने तक सीमित न रहे।

बोर्ड में नियुक्ति: पब्लिक सेक्टर बैंकों और सार्वजनिक उपक्रमों में स्वतंत्र निदेशकों की कमी और उसका असर

-वर्तमान स्थिति: बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की कमी

भारत की अर्थव्यवस्था में पब्लिक सेक्टर बैंक (PSB) और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम (CPSE) रीढ़ की हड्डी की तरह माने जाते हैं। ये न सिर्फ़ आम जनता की बचत और पूंजी को सुरक्षित रखते हैं बल्कि ऊर्जा, परिवहन, बीमा, खनन, रक्षा, संचार और अधोसंरचना जैसे अहम क्षेत्रों में विकास के पहियों को घुमाते हैं। इन संस्थानों की मजबूती सीधे तौर पर देश की आर्थिक प्रगति, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी होती है। इतने महत्त्वपूर्ण संस्थानों के संचालन और गवर्नेंस को मज़बूत बनाने के लिए ज़रूरी है कि इनके बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक (Independent Directors) मौजूद हों। स्वतंत्र निदेशक वे लोग होते हैं जो प्रबंधन या सरकार से सीधे तौर पर जुड़े नहीं होते लेकिन निर्णय प्रक्रिया में संतुलित, निष्पक्ष और तटस्थ दृष्टिकोण लाते हैं। दुर्भाग्य से, भारत के ज़्यादातर पब्लिक सेक्टर बैंक और सार्वजनिक उपक्रमों में लंबे समय से स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। नतीजा यह है कि इनके बोर्ड में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, राजनीतिक और नौकरशाही दबाव बढ़ रहे हैं और बड़े फैसलों में जनता के हित पीछे छूट रहे हैं।

स्वतंत्र निदेशक कौन होते हैं और क्यों ज़रूरी हैं?

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के आधुनिक ढांचे में स्वतंत्र निदेशक एक अहम स्तंभ हैं। इनका मूल उद्देश्य है—पारदर्शिता लाना : ताकि फैसले किसी एक पक्ष के हित में न होकर सामूहिक हित में हों। जवाबदेही तय करना : बोर्ड और प्रबंधन की गतिविधियों पर बाहरी निगरानी रहे। राजनीतिक/प्रबंधन दबाव से बचाना : ताकि बैंकिंग और औद्योगिक नीतियों में व्यावसायिक संतुलन कायम रहे। जोखिम प्रबंधन : निवेश, कर्ज़ वितरण और बड़े प्रोजेक्ट्स में संभावित जोखिमों की पहचान। जनहित की रक्षा : क्योंकि PSB और CPSE सीधे जनता के धन और संसाधनों से चलते हैं। कंपनी एक्ट, 2013 और सेबी (SEBI) की गाइडलाइंस के तहत सूचीबद्ध कंपनियों में कम-से-कम एक तिहाई स्वतंत्र निदेशक होना अनिवार्य है। इसी तरह बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट और रिज़र्व बैंक के नियमों में भी पब्लिक सेक्टर बैंकों के बोर्ड में निश्चित अनुपात में स्वतंत्र निदेशकों की मौजूदगी ज़रूरी है।

वर्तमान स्थिति: स्वतंत्र निदेशकों की कमी

पिछले कई सालों से देश के अधिकांश पब्लिक सेक्टर बैंकों और सार्वजनिक उपक्रमों में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या निर्धारित मानकों से कम है। कई बैंकों में वर्षों से पद खाली पड़े हैं। कुछ उपक्रमों में स्वतंत्र निदेशक नाम मात्र के हैं, जिनकी नियुक्ति भी समय पर नहीं की जाती। बोर्ड के कई अहम फैसले केवल सरकारी प्रतिनिधियों और प्रबंधन पर निर्भर होते हैं। इससे "बोर्ड का लोकतांत्रिक चरित्र" कमजोर होता है और अक्सर निर्णय राजनीतिक या नौकरशाही दबाव में लिए जाते हैं।

कमी के असर

पारदर्शिता पर असर

जब बोर्ड में स्वतंत्र आवाज़ें नहीं होतीं तो निर्णय बंद कमरे में लिए जाते हैं और उनमें पारदर्शिता कम हो जाती है।

जवाबदेही का अभाव

प्रबंधन और सरकार के प्रतिनिधि एक-दूसरे को जवाबदेह नहीं ठहराते। नतीजतन, गड़बड़ियों, घाटे और घोटालों की जवाबदेही तय नहीं हो पाती।

राजनीतिक दबाव

बैंकों में कर्ज़ वितरण और उपक्रमों में ठेकों/निवेशों पर राजनीतिक दबाव हावी रहता है। स्वतंत्र निदेशक होते तो वे संतुलन बना सकते थे।

जोखिम प्रबंधन की कमजोरी

स्वतंत्र निदेशक पेशेवर दृष्टिकोण से जोखिम का आकलन करते हैं। उनकी अनुपस्थिति से कई बार गलत निवेश और खराब कर्ज़ (NPA) बढ़ जाते हैं।

जनता का नुकसान

आख़िरकार इन संस्थानों की पूंजी जनता की होती है। पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी से जनता का धन जोखिम में पड़ जाता है।

राजनीतिक हस्तक्षेप और गवर्नेंस समस्या

भारत के PSB और CPSE में राजनीतिक नियुक्तियाँ और हस्तक्षेप एक पुरानी समस्या है। कई बार निदेशक पदों का इस्तेमाल "पुरस्कार की राजनीति" के लिए किया जाता है। योग्य पेशेवरों के बजाय राजनीतिक नज़दीकी वाले लोग नियुक्त होते हैं।

इससे: बोर्ड की स्वतंत्रता कमज़ोर पड़ती है। नीतिगत फैसलों में संतुलन ग़ायब हो जाता है। प्रबंधन पर बाहरी निगरानी का तंत्र टूट जाता है।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और सिंगापुर जैसे देशों में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति बेहद सख़्त और पारदर्शी प्रक्रिया से होती है। अमेरिका की कई कंपनियों में 50% तक बोर्ड सदस्य स्वतंत्र होते हैं। ब्रिटेन में कॉर्पोरेट गवर्नेंस कोड बोर्ड की संरचना को संतुलित और पारदर्शी बनाए रखने पर ज़ोर देता है। सिंगापुर और हांगकांग जैसे वित्तीय केंद्रों में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति बिना देरी और कठोर मानदंडों पर होती है। इनसे तुलना करने पर भारत की स्थिति बेहद कमजोर दिखती है।

नियामकीय प्रावधान

कंपनी एक्ट, 2013 : सूचीबद्ध कंपनियों में 1/3 स्वतंत्र निदेशक अनिवार्य। बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट : PSB के बोर्ड में प्रोफेशनल स्वतंत्र निदेशकों की ज़रूरत। सेबी (LODR) गाइडलाइंस : कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए सख़्त नियम। डीपीई गाइडलाइंस (CPSE) : सार्वजनिक उपक्रमों में स्वतंत्र निदेशकों की न्यूनतम संख्या तय। लेकिन ज़मीनी स्तर पर इनका पालन कमजोर है।

सुधार की ज़रूरत

पारदर्शी चयन प्रक्रिया : राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होकर स्वतंत्र विशेषज्ञों का चयन। समयबद्ध नियुक्ति : पद खाली न रहें, इसके लिए तय समयसीमा हो। पेशेवर योग्यता : वित्त, कानून, उद्योग और प्रबंधन के विशेषज्ञों को प्राथमिकता। प्रशिक्षण और जवाबदेही : स्वतंत्र निदेशकों के लिए प्रशिक्षण और उनकी जिम्मेदारी तय। डिजिटल ट्रैकिंग : खाली पद और नियुक्तियों की स्थिति ऑनलाइन सार्वजनिक करना।

भविष्य की राह

यदि सरकार और नियामक संस्थाएँ समय रहते स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति पर ध्यान नहीं देतीं, तो यह न केवल बैंकिंग सेक्टर बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर डालेगा। इसके लिए: स्वतंत्र चयन आयोग (Independent Selection Commission) बनाया जा सकता है। नियुक्तियों में पारदर्शी विज्ञापन और मेरिट आधारित चयन अनिवार्य हो। बोर्ड के कामकाज पर वार्षिक स्वतंत्र ऑडिट रिपोर्ट पेश की जाए। जनता और संसद को जवाबदेह बनाने के लिए लोक पारदर्शिता पोर्टल शुरू हो। भारत की आर्थिक रीढ़ कहे जाने वाले पब्लिक सेक्टर बैंक और सार्वजनिक उपक्रम तभी मज़बूत रहेंगे जब उनके बोर्ड मज़बूत होंगे। और बोर्ड तभी मज़बूत कहलाएंगे जब उनमें स्वतंत्र, निष्पक्ष और पेशेवर निदेशक मौजूद होंगे। स्वतंत्र निदेशकों की अनुपस्थिति से पारदर्शिता, जवाबदेही और गवर्नेंस प्रभावित होती है। राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ता है और अंततः जनता का धन खतरे में पड़ता है। इसलिए ज़रूरी है कि सरकार और नियामक संस्थाएँ तुरंत ठोस कदम उठाएँ और इन महत्वपूर्ण संस्थानों के बोर्ड को स्वतंत्र निदेशकों से सशक्त बनाएँ। यही भारत की वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास की असली गारंटी होगी।

स्वतंत्र निदेशकों की अनुपस्थिति और बढ़ते घोटाले

पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जब पब्लिक सेक्टर बैंकों और उपक्रमों में गवर्नेंस की कमी के कारण बड़े घोटाले हुए। चाहे वह निर्मल मोदी और पीएनबी घोटाला हो या फिर कई बैंकों में बढ़ते एनपीए (Non-Performing Assets) का मामला—इन सबकी जड़ में निगरानी और स्वतंत्र निर्णय प्रक्रिया की कमी नज़र आती है। अगर बोर्ड में सक्षम और निष्पक्ष स्वतंत्र निदेशक समय पर नियुक्त किए गए होते, तो संभव था कि ऐसे मामलों में शुरुआती स्तर पर चेतावनी मिल जाती और नुकसान कम होता। इसी तरह, सार्वजनिक उपक्रमों में भी कई बार गलत निवेश, अनुचित ठेके और संसाधनों के दुरुपयोग की घटनाएँ होती हैं। इन पर लगाम लगाने के लिए ज़रूरी है कि बोर्ड में ऐसी आवाज़ें मौजूद हों जो केवल सरकार या प्रबंधन के दबाव में न होकर, राष्ट्रीय और जनहित को सामने रखकर निर्णय लें। कुल मिलाकर, स्वतंत्र निदेशकों की समयबद्ध नियुक्ति केवल कानूनी अनिवार्यता नहीं बल्कि लोकतांत्रिक और पारदर्शी कॉर्पोरेट गवर्नेंस की आत्मा है। यदि भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में मज़बूती से खड़ा होना है, तो उसके पब्लिक सेक्टर संस्थानों को स्वतंत्र और जवाबदेह बोर्ड संरचना से सुसज्जित करना ही होगा।

तकनीक और समझ: चैटजीपीटी के युग में बदलती दुनिया, अति निर्भरता से बचकर जिम्मेदार उपयोग की ज़रूरत

-जिम्मेदार और संतुलित उपयोग की आवश्यकता

आज का दौर विज्ञान और तकनीक का है। इंसान ने अपनी जरूरतों और आराम के लिए हमेशा साधन बनाए हैं, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI) ने जिस तेजी से जीवन के हर पहलू को प्रभावित किया है, वह अपने आप में क्रांति से कम नहीं है। गांवों से लेकर बड़े शहरों तक, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, बैंकिंग से लेकर कारोबार तक—हर क्षेत्र में एआइ की गहरी पैठ बन चुकी है। इस तकनीक ने इंसान की क्षमताओं को कई गुना बढ़ाया है, लेकिन साथ ही इसके सामने कई गंभीर सवाल भी खड़े किए हैं—क्या हम तकनीक पर अति निर्भर होकर अपनी सोच, मौलिकता और रचनात्मकता खो देंगे? क्या मशीनों पर अत्यधिक भरोसा समाज के संतुलन को बिगाड़ देगा? और सबसे अहम, इस तकनीक के नैतिक उपयोग को कैसे सुनिश्चित किया जाए?

एआइ: हर क्षेत्र में गहरी पैठ

स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांति: स्वास्थ्य क्षेत्र में एआइ ने सबसे बड़ा बदलाव लाया है। आज मशीन लर्निंग और डेटा विश्लेषण के जरिए रोगों की पहचान पहले से कहीं अधिक तेज और सटीक हो रही है। मरीजों के एक्स-रे, एमआरआई और स्कैन रिपोर्ट को एआइ एल्गोरिद्म कुछ ही सेकंड में पढ़कर संभावित बीमारियों का संकेत दे सकते हैं। इससे डॉक्टरों का समय बचता है और इलाज की प्रक्रिया तेज होती है। दूरदराज के गांवों में भी एआइ आधारित टेलीमेडिसिन सेवाएं मरीजों तक विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह पहुँचा रही हैं। रोबोटिक सर्जरी के जरिए जटिल ऑपरेशन अधिक सुरक्षित और सटीक बन रहे हैं। दवाओं के शोध में भी एआइ तेजी से नई दवाओं की खोज कर रहा है, जो पहले सालों का काम होता था।

शिक्षा में बदलाव

एआइ ने शिक्षा के क्षेत्र में भी गहरी छाप छोड़ी है। छात्र की क्षमता और रुचि के अनुसार पर्सनलाइज्ड लर्निंग (व्यक्तिगत सीखने की सुविधा) उपलब्ध कराई जा रही है। चैटजीपीटी जैसे टूल्स विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर ढूंढने, निबंध लिखने और जटिल विषय समझने में मदद करते हैं। शिक्षक भी अब एआइ टूल्स से छात्रों की प्रगति का विश्लेषण कर सकते हैं और उनकी कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, यही वह जगह है जहां मौलिकता और रचनात्मकता को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी हो जाता है, क्योंकि अगर विद्यार्थी केवल मशीन पर निर्भर हो जाएं तो उनकी सोचने-समझने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

कारोबार और बैंकिंग

बैंकों में लोन प्रोसेसिंग, ग्राहक सेवा, जोखिम मूल्यांकन और धोखाधड़ी की पहचान अब एआइ से अधिक सरल हो गई है। चैटबॉट्स 24 घंटे ग्राहकों की समस्याएं हल कर रहे हैं। कंपनियां एआइ से लागत घटाकर और दक्षता बढ़ाकर प्रतिस्पर्धा में आगे निकल रही हैं। ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग में एआइ ग्राहकों की पसंद के आधार पर सुझाव देकर बिक्री बढ़ा रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था

आज के समय में सुरक्षा के लिए एआइ आधारित तकनीक अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। सीसीटीवी कैमरे और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम अपराधियों की पहचान आसानी से कर लेते हैं। सीमा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा में भी एआइ बड़ी भूमिका निभा रहा है। बड़े आयोजनों और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ नियंत्रण और निगरानी एआइ आधारित तकनीक से अधिक सुरक्षित हो गई है।

एआइ की ताकत: क्यों है यह अनिवार्य?

एआइ के कई ऐसे फायदे हैं, जिन्होंने इसे आधुनिक समाज का अनिवार्य हिस्सा बना दिया है। 24 घंटे बिना थके काम करने की क्षमता। बड़े डेटा का विश्लेषण करने की शक्ति। तेजी और सटीकता के साथ निर्णय लेना। जटिल समस्याओं का समाधान।

मनुष्य की सीमाओं से परे जाकर काम करने की योग्यता। इन्हीं खूबियों की वजह से दुनिया भर में सरकारें, कंपनियां और संस्थाएं एआइ पर तेजी से निवेश कर रही हैं।

अति निर्भरता के खतरे

हालांकि, हर तकनीक के साथ उसके दुष्प्रभाव भी आते हैं। एआइ पर अति निर्भरता के खतरे भी गंभीर हैं।

मौलिकता और रचनात्मकता का ह्रास

जब विद्यार्थी या लेखक हर काम के लिए चैटजीपीटी जैसे टूल्स पर निर्भर हो जाएंगे तो उनकी कल्पना शक्ति कमजोर पड़ सकती है। इंसान की मौलिक सोच ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसे मशीन कभी पूरी तरह से नहीं दोहरा सकती।

नौकरी पर खतरा

ऑटोमेशन और एआइ की वजह से कई परंपरागत नौकरियां खत्म हो रही हैं। ग्राहक सेवा, डेटा एंट्री, अकाउंटिंग, यहाँ तक कि पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों में भी एआइ का सीधा असर दिखने लगा है।

गोपनीयता और डेटा सुरक्षा

एआइ को काम करने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा चाहिए। लेकिन इस डेटा के गलत उपयोग से व्यक्तिगत गोपनीयता खतरे में पड़ सकती है।

पक्षपात और भेदभाव

अगर एआइ सिस्टम को पक्षपातपूर्ण डेटा से प्रशिक्षित किया गया है, तो उसका निर्णय भी पक्षपातपूर्ण हो सकता है। यह समाज में असमानता और भेदभाव को और गहरा कर सकता है।

तकनीकी गुलामी

यदि इंसान मशीन पर इतना निर्भर हो जाए कि बिना उसके सोच भी न सके, तो यह मानसिक और सामाजिक रूप से गुलामी की ओर ले जाएगा।

नैतिक चिंताएं और जिम्मेदार उपयोग

एआइ के बढ़ते प्रयोग के साथ-साथ नैतिक सवाल भी जोर पकड़ रहे हैं। क्या मशीनों को इतना अधिकार देना सही है कि वे इंसान के लिए फैसले लें? अगर कोई एआइ गलती करता है, तो जिम्मेदारी किसकी होगी? युद्ध और हथियारों में एआइ का इस्तेमाल कितना खतरनाक हो सकता है? इन सवालों के जवाब ढूंढना समाज और नीति निर्माताओं के लिए बेहद जरूरी है।

जिम्मेदार उपयोग के लिए सुझाव

नीतिगत नियंत्रण

सरकारों को एआइ के उपयोग के लिए कड़े कानून बनाने चाहिए, ताकि इसका दुरुपयोग न हो।

शिक्षा और प्रशिक्षण

विद्यार्थियों और युवाओं को एआइ का सही उपयोग सिखाया जाए, ताकि वे इसे मददगार के रूप में इस्तेमाल करें, न कि पूरी तरह से उस पर निर्भर हो जाएं।

मानवीय निगरानी

किसी भी एआइ आधारित निर्णय के पीछे मानवीय निगरानी होना अनिवार्य होना चाहिए।

डेटा गोपनीयता

ख़ान बहादुर ख़ान (बरेली): 1857 के ग़दर का नायक और आज़ादी का शहीद

-1857 की चिंगारी और बरेली की भूमिका

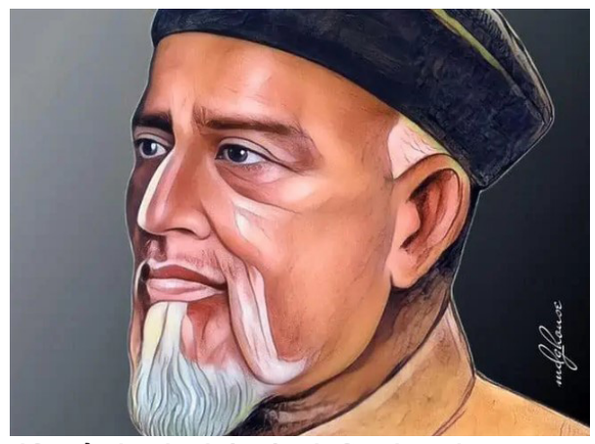

भारत का स्वतंत्रता संग्राम 1857 हमारे इतिहास का पहला बड़ा संगठित प्रयास था, जिसमें देश के अलग-अलग हिस्सों के लाखों लोग अंग्रेज़ी साम्राज्य के खिलाफ उठ खड़े हुए। इस ग़दर ने अंग्रेज़ों की नींव हिला दी थी। मेरठ, दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, झाँसी, बरेली, अवध और बिहार के मैदानों में भारतीयों ने अपना लहू बहाकर गुलामी की जंजीरें तोड़ने की कोशिश की। इसी महान संग्राम में एक नाम हमेशा अमर रहेगा – ख़ान बहादुर ख़ान रोहिल्ला (बरेली)। वे रोहिल्ला सरदार हाफ़िज़ रहमत ख़ान के वंशज थे और 1857 की क्रांति में बरेली के नेतृत्वकर्ता बने। उनकी बहादुरी और बलिदान ने बरेली को ग़दर का मज़बूत गढ़ बना दिया। लेकिन अंग्रेज़ों ने उन्हें मौत की सज़ा देकर शहीद कर दिया। इस लेख में हम उनके जीवन, संघर्ष, योगदान और बलिदान का विस्तृत वर्णन करेंगे।

ख़ान बहादुर ख़ान का परिचय

ख़ान बहादुर ख़ान का जन्म लगभग 1820 के आसपास बरेली (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। वे रोहिल्ला पठान समुदाय से संबंध रखते थे। उनके दादा हाफ़िज़ रहमत ख़ान रोहिल्ला सरदार थे, जिन्होंने 18वीं सदी में रोहिलखंड (आज का बरेली, रामपुर, पीलीभीत आदि क्षेत्र) पर शासन किया था। हालाँकि 1774 में रोहिलों को अवध और अंग्रेज़ों की संयुक्त सेना से हार मिली और रोहिलखंड अंग्रेज़ों के अधीन आ गया। इस ऐतिहासिक पराजय के बाद भी रोहिला परिवार के लोग अपने प्रभाव और सामाजिक प्रतिष्ठा में बने रहे। ख़ान बहादुर ख़ान इन्हीं परंपराओं और स्वाभिमान के वारिस थे।

1857 की चिंगारी और बरेली की भूमिका

1857 में जब मेरठ से सिपाहियों का विद्रोह शुरू हुआ और दिल्ली में बहादुर शाह ज़फ़र को बादशाह ए हिन्द घोषित किया गया, तो यह आंदोलन बहुत तेज़ी से उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में फैल गया। बरेली उस समय रोहिलखंड का अहम केंद्र था। यहाँ की फ़ौज और आम जनता अंग्रेज़ों से बेहद नाराज़ थी। अंग्रेज़ों की ज़ुल्म की नीतियाँ, भारी कर और धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप ने लोगों को बगावत के लिए मजबूर कर दिया था। रोहिल्ला सरदारों के वंशजों में अभी भी अंग्रेज़ों के खिलाफ गहरी नफ़रत थी, क्योंकि अंग्रेज़ों ने उनकी सत्ता छीन ली थी। इन्हीं हालातों में ख़ान बहादुर ख़ान ने बरेली में विद्रोह का नेतृत्व संभाला।

बरेली में ख़ान बहादुर ख़ान का नेतृत्व

जून 1857 में जब क्रांति की लहर बरेली पहुँची, तो ख़ान बहादुर ख़ान ने अंग्रेज़ों के खिलाफ आवाज़ बुलंद की। बरेली के सिपाहियों ने अंग्रेज़ अधिकारियों पर हमला किया और उन्हें मार गिराया। जनता ने अंग्रेज़ी थानों और कोषागार पर क़ब्ज़ा कर लिया। ख़ान बहादुर ख़ान को बरेली का नेता और शासक मान लिया गया। उन्होंने बरेली में अंग्रेज़ों को बाहर निकालकर "आज़ाद सरकार" स्थापित की। इस दौरान उन्होंने प्रशासन चलाने के लिए अपने आदेश जारी किए, टैक्स वसूली की व्यवस्था की और न्याय देने का काम भी किया।

विद्रोह का विस्तार और संघर्ष

ख़ान बहादुर ख़ान ने सिर्फ बरेली ही नहीं, बल्कि पूरे रोहिलखंड को ग़दर का मज़बूत गढ़ बना दिया। उन्होंने आसपास के कस्बों – शाहजहाँपुर, पीलीभीत, बदायूँ और मुरादाबाद में भी बगावत को हवा दी। दिल्ली और लखनऊ के विद्रोहियों से संपर्क किया। क्रांतिकारियों को आर्थिक और सैनिक मदद देने का प्रयास किया। अंग्रेज़ों ने इसे बेहद ख़तरनाक माना और बरेली को दोबारा अपने क़ब्ज़े में लेने के लिए बड़ी तैयारी शुरू कर दी।

अंग्रेज़ों से टकराव

1857 की गर्मियों में बरेली पूरी तरह अंग्रेज़ी सत्ता से मुक्त था। लेकिन 1858 के शुरू होते ही अंग्रेज़ों ने रोहिलखंड पर दोबारा क़ब्ज़ा करने के लिए बड़ी फौज भेजी। कर्नल जोन्स और सर कोलिन कैंपबेल ने बरेली की तरफ़ कूच किया। अंग्रेज़ों के पास आधुनिक तोपखाने और संगठित फ़ौज थी। बगावतियों के पास जोश और बहादुरी थी, लेकिन संसाधन और अनुशासन की कमी थी। अप्रैल-मई 1858 में अंग्रेज़ों और विद्रोहियों के बीच भयंकर लड़ाई हुई। बरेली के मैदानों में ख़ून की नदियाँ बह गईं।

बरेली की हार

विद्रोही बड़ी बहादुरी से लड़े लेकिन अंग्रेज़ों की ताक़त और आधुनिक हथियारों के सामने टिक नहीं पाए। बरेली पर अंग्रेज़ों ने दोबारा कब्ज़ा कर लिया। विद्रोही भागकर जंगलों और गाँवों में छिप गए। अंग्रेज़ों ने सैकड़ों लोगों को पकड़कर मौत के घाट उतार दिया। ख़ान बहादुर ख़ान भी अंग्रेज़ों के हाथ लग गए।

अंग्रेज़ी अदालत और सज़ा

अंग्रेज़ों ने उन्हें "ग़द्दार" और "विद्रोह का सरगना" करार दिया। उनके ख़िलाफ़ एक दिखावटी मुक़दमा चलाया गया। आरोप था कि उन्होंने अंग्रेज़ अधिकारियों की हत्या करवाई। उन्होंने अंग्रेज़ों की हुकूमत के ख़िलाफ़ बगावत छेड़ी। उन्होंने "विद्रोही सरकार" क़ायम की। 1858 के अंत में अंग्रेज़ों ने उन्हें फाँसी की सज़ा सुनाई।

शहादत

ख़ान बहादुर ख़ान को बरेली में फाँसी दी गई। उनकी शहादत ने पूरे रोहिलखंड और उत्तर भारत को हिला दिया। उन्हें फाँसी देने से पहले अंग्रेज़ों ने लोगों में डर बैठाने के लिए ज़ोरदार ऐलान करवाया। लेकिन बरेली और आसपास के लोग उन्हें "ग़द्दार" नहीं बल्कि "शहीद" मानते थे। उनकी मौत ने क्रांतिकारियों के हौसले तोड़े नहीं, बल्कि और तेज़ कर दिए।

ख़ान बहादुर ख़ान का महत्व

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में ख़ान बहादुर ख़ान का योगदान बेहद अहम है। स्थानीय नेतृत्व – उन्होंने बरेली और पूरे रोहिलखंड को ग़दर का केंद्र बनाया। संगठन क्षमता – आम जनता और सैनिकों को जोड़कर अंग्रेज़ों को कड़ी चुनौती दी। बलिदान – मौत को गले लगाकर भी आज़ादी की लड़ाई को मज़बूती दी।

उनके योगदान का असर

हालाँकि 1857 की क्रांति असफल हो गई, लेकिन इस संग्राम ने अंग्रेज़ों की जड़ें हिला दीं। अंग्रेज़ों ने महसूस किया कि भारतीयों को हमेशा दबाकर नहीं रखा जा सकता। क्रांति की असफलता के बावजूद इसने आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। ख़ान बहादुर ख़ान जैसे शहीदों ने यह संदेश दिया कि आज़ादी बिना क़ुर्बानी के हासिल नहीं हो सकती।

स्मृति और विरासत

आज भी बरेली में लोग ख़ान बहादुर ख़ान को याद करते हैं। उनके नाम पर ख़ान बहादुर ख़ान डिग्री कॉलेज, बरेली की स्थापना हुई।

2 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइट से राजस्थान की हर गली, हर सड़क होगी जगमग

-त्योहारी सीज़न से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अहम निर्णय

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की ओर से प्रदेशवासियों के लिए बड़ी सौगात दी गई है। रविवार को हुई मंत्रिपरिषद् की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगरीय क्षेत्रों की रात्रिकालीन सुरक्षा, ऊर्जा बचत और बेहतर यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बजट 2025-26 में प्रस्तावित 1 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइटों की संख्या बढ़ाकर अब 2 लाख करने का अहम निर्णय लिया है। शर्मा ने कहा कि हमारा संकल्प है कि प्रदेश की हर सड़क, हर मोहल्ला और हर बाजार रोशनी से जगमगाए। यह केवल रोशनी का कार्य नहीं, बल्कि सुरक्षित और आधुनिक राजस्थान के निर्माण की दिशा में एक ठोस कदम है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि त्योहारी सीज़न को देखते हुए इस कार्य की शुरुआत दीपावली से पूर्व की जाए, ताकि प्रदेश की सड़कें और भी उज्जवल दिखाई दें। राज्य की 312 नगरीय निकायों में बढ़ती आबादी और क्षेत्रीय विस्तार को देखते हुए आधुनिक प्रकाश व्यवस्था अनिवार्य है। इसीलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विज़न के अनुरूप पुरानी और कमज़ोर लाइटों को हटाकर नई एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। यह निर्णय न केवल शहरों की सूरत बदलेगा, बल्कि नागरिकों के जीवन में सुरक्षा और सहजता का भाव भी जोड़ेगा। यह पहल ऊर्जा की बचत करेगी, दुर्घटनाओं में कमी लाएगी और लोगों को रात के समय भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार विभाग अतिशीघ्र प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर इस कार्य को शुरू करेगा। उल्लेखनीय है कि स्वायत्त शासन विभाग द्वारा शहर चलो अभियान के तहत 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्य की सभी नगरीय निकायों में नई स्ट्रीट लाइट लगाने और बंद लाइट को चालू करने का कार्य भी किया जाएगा। इसी के साथ ही स्वायत्त शासन विभाग द्वारा नगरीय निकायों में आमजन की स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सड़क से संबंधित शिकायतों और सुझाव के लिए राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 181 भी जारी किया गया है।

जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने किया वर्षा प्रभावित इलाकों का निरीक्षण

-जिला कलक्टर के निर्देश पर प्रशासन की 40 से ज्यादा टीमों ने फील्ड में संभाला मोर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्षाजनित परिस्थितियों से निपटने के लिए जयपुर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है, किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जयपुर जिले में वर्षा से प्रभावित हालातों पर नियंत्रण और राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने स्वयं फील्ड का मोर्चा संभाल रखा है। मंगलवार को उन्होंने कोटखावदा, बस्सी एवं तुंगा सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर वर्षाजनित परिस्थितियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. सोनी ने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और तत्काल राहत पहुंचाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव, डूब क्षेत्र एवं लो-लाइन एरिया में विशेष सतर्कता बरतने के आदेश देते हुए कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जाए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला प्रशासन की 40 से अधिक टीमें फील्ड में सक्रिय रूप से तैनात की गई। उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने फील्ड में जाकर स्थिति का जायजा लिया एवं जल निकासी सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही को अंजाम दिया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी जिले में राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि जिले के किसी भी हिस्से में आमजन को कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वर्षाजनित परिस्थितियों से प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, खाद्य सामग्री एवं चिकित्सा सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। रपट वाले स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जाएं और आवागमन पर निगरानी रखी जाए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने आमजन से अपील की है कि वे जलभराव और वर्षाजनित परिस्थितियों में अतिरिक्त सतर्कता बरतें। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर वे नियंत्रण कक्ष अथवा स्थानीय प्रशासन को तुरंत सूचित करें ताकि समय पर राहत पहुंचाई जा सके। साथ ही यह भी अपील की गई है कि बहते पानी की रपट अथवा पुलिया को पार न करें, बच्चों को जलभरे स्थानों और नालों के पास न जाने दें तथा जल स्रोतों से दूर रहें। किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन द्वारा स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष से तुरंत संपर्क किया जा सकता है। इस कक्ष के दूरभाष नंबर 0141-2204475 और 0141-2204476 हैं, जहां 24 घंटे संपर्क किया जा सकता है। जिला नियंत्रण कक्ष में प्राप्त शिकायतों पर तुरंत और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

SDPI Jaipur की अहम पहल- ईद मिलादुन्नबी पर शराबबंदी की मांग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आज 03 सितम्बर को सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI), जयपुर के ज़िम्मेदारान और कार्यकर्ताओं ने एक अहम कदम उठाते हुए जिला कलेक्टर, जयपुर को ज्ञापन सौंपा।

इस प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व ज़िला वाइस प्रेसिडेंट- ज़फ़र अहमद ने किया, ज्ञापन देने के समय ज़िला कमेटी मेम्बर- अतीक अहमद, साबिर भाई और ज़ावेद भाई साथ में SDPI के कैडर साथी भी मौजूद रहे।

ज्ञापन की मुख्य मांग- ईद मिलादुन्नबी के पवित्र अवसर पर जयपुर शहर में शराब की बिक्री व शराबख़ानों को पूर्णतः बंद रखा जाए। इस दिन जुलूस-ए-मोहम्मदी और धार्मिक प्रोग्राम पूरे अमन, भाईचारे और सुकून के माहौल में अंजाम पा सकें। त्योहारों पर शराब की उपलब्धता से अक्सर सामाजिक बुराइयाँ और अशांति फैलने का ख़तरा रहता है, जिसे रोकना प्रशासन की जिम्मेदारी है। SDPI ने हमेशा से समाज में इंसाफ़, शांति और भाईचारे की आवाज़ बुलंद की है। हमारा मक़सद है कि हर मज़हबी और क़ौमी पर्व को इज़्ज़त, सुकून और आपसी मोहब्बत के साथ मनाया जाए। इस पहल के ज़रिये SDPI ने एक बार फिर साबित किया कि यह पार्टी सिर्फ़ राजनीति नहीं करती, बल्कि समाज के हर तबक़े के लिए अमन, इंसाफ़ और तरक़्क़ी की जद्दोजहद भी करती है। SDPI ने प्रशासन से पुरज़ोर मांग की हैं कि इस मांग को पूरा करके जनता की आवाज़ का सम्मान किया जाए।

देवनारायण गुरुकुल आवासीय विद्यालय योजना समीक्षा बैठक

-स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने सहित सुचारु संचालन के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि देवनारायण गुरुकुल योजना का उद्देश्य अति पिछड़ा वर्ग के गरीब बच्चों को गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार्य नहीं होगी। निदेशक ने अंबेडकर भवन में आयोजित बैठक में देवनारायण गुरुकुल योजना के अंतर्गत प्रदेश की चयनित निजी आवासीय विद्यालयों के संस्था प्रधानों और प्रतिनिधियों से योजना से जुड़ी समस्या या सुझावों के लिए खुले संवाद (ओपन डिस्कशन) के दौरान यह बात कही। उन्होंने आवासीय विद्यालयों के संचालन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं के निस्तारण और सुझावों को अमल में लाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मोदी ने कहा कि देवनारायण गुरुकुल योजना के तहत आवासीय विद्यालयों का सुचारू संचालन योजना के सफल होने का आधार है। उन्होंने विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, उचित खानपान और साफ सफाई रखने के भी निर्देश दिए। इस दौरान देवनारायण गुरुकुल योजनान्तर्गत परीक्षा परिणाम, छात्रावास सुविधा, नियमित बायोमैट्रिक उपस्थिति, देय सुविधाएं, मेन्यू अनुसार भोजन व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निदेशक, माध्यमिक शिक्षा विभाग सीताराम जाट, अतिरिक्त निदेशक, देवनारायण योजना सुंडाराम मीना सहित आवासीय विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्य में शीघ्र आएगी मोटर व्हीकल एग्रीगेटर पॉलिसी- उप मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य में शीघ्र ही एग्रीगेटर पॉलिसी लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हाल ही जारी की गई मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइन- 2025 का अध्ययन कर राज्य में एग्रीगेटर पॉलिसी-2025 लाए जाने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। उपमुख्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि एग्रीगेटर पॉलिसी जारी होने के पश्चात् एग्रीगेटर कैब कम्पनी के वाहनों के लिए पृथक से किराया जारी किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि एग्रीकेटर कैब कम्पनी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए कम्पनियों को न्यूनतम 50 मोटर कैब अथवा अन्य वाहनों की स्थिति में न्यूनतम 25 वाहन आवश्यक हैं। रेंट ए कैब स्कीम में न्यूनतम 50 मोटर कैब आवश्यक हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत वातानुकूलित वाहन होने चाहिये। इसी प्रकार राजस्थान बाइक टैक्सी पॉलिसी- 2017 में न्यूनतम एक दुपहिया वाहन तथा रेंट ए मोटर साइकिल स्कीम में न्यूनतम 5 दुपहिया वाहन आवश्यक हैं। इससे पहले विधायक कालीचरण सराफ के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लाईसेंसशुदा एग्रीगेटर्स से प्राप्त सूचना अनुसार प्रदेश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट हेतु कैब का कम्पनीवार एवं जिलेवार विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा 15 जुलाई 2013 को अधिसूचना जारी कर ऑटो रिक्शात तथा 13 अगस्त 2007 को टैक्सी कैब एवं दिनांक 08 अप्रेल 2013 को प्री-पेड टैक्सी कैब का किराया निर्धारण किया गया है। एग्रीगेटर्स वाहनों के लिये विभाग द्वारा पृथक से किराया निर्धारण नहीं किया गया है। डॉ. बैरवा ने कहा कि विभाग द्वारा एग्रीगेटर्स को अनुमत किये जाने एवं इनके उपर प्रभावी नियंत्रण करने के संबंध में दिनांक 25 नवम्बर 2016 को Rajasthan on Demand Information Technology Based Transportation By Public Service Vehicles Rules -2016 जारी किये गये हैं। इन नियमों के आधार पर वर्तमान में एग्रीगेटर्स को अनुमत किया जाता है। उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 01 जुलाई 2025 को मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाईडलाइन 2025 को जारी की गई है। इन गाइडलाइन का अध्ययन कर राज्य में गाइडलाइन बनाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

जोन-06 में शंकर विहार-प्रथम में 18 अवैध डूप्लेक्सों को किया सील

-सड़क सीमा में हटाए अतिक्रमण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-06 में नांगल जैसा बौहरा शंकर विहार प्रथम में 18 डूप्लेक्सों के अवैध निर्माण की पुनः पुख्ता सीलिंग सील किया गया। जोन-13 में ग्राम लबाना में दिल्ली रोड़ हाईवे के पास रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-06 के क्षेत्राधिकार में नांगल जैसा बौहरा शंकर विहार प्रथम के भूखण्ड संख्या 05, 5ए, 06, 6ए, 07, 08, 09, 9ए, 10, 10ए, 11, 12, 17, 17ए, 18, 18ए, 19 व 20 में डूप्लेक्सों के अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को पूर्व में धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर सीलिंग की कार्यवाही की गई थी। उक्त भूखण्डो की सील तोडकर भू-स्वामी द्वारा व्यवसायिक प्रयोजनार्थ पुनः अवैध निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर आज दिनांकः 03.09.2025 को उक्त 18 अवैध डूप्लेक्सों के प्रवेष द्वारों, खिडकियों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईटों की दीवार चुनवाकर पुनः नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। जेडीए द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम लबाना में दिल्ली रोड़ हाईवे के पास रोड सीमा पर अतिक्रमण कर लोहे के एंगल लगाकर, तारबंदी कर रास्ता अवरूद्ध कर रखा था। जिससे स्थानीय लोगो आमजन को रास्ते को लेकर भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा था। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, तृतीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-06, 13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबरगार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर राहुल कोटोकी ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित षिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24'7; हेल्पलाईन 181 राजस्थान सम्पर्क कर

शिक्षक आजीवन अपने चारों ओर ज्ञान का प्रकाश फैलाया करते हैं

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। उदावाला के राजकीय विधालय में कार्यरत अध्यापक साधुराम यादव का सेवानिवृत्त समारोह बिशनगढ़ में आयोजित किया गया। समारोह मे अध्यापक साधुराम यादव का साथी अध्यापकों व ग्रामीणों ने माला साफ़ा पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया। विधालय के प्रधानाचार्य,अध्यापकों ने साधुराम यादव के कार्यकाल की सराहना की। एच के लोहांनी न्यूज़ सर्विस व आईबीड़ी 786 यूट्यूब चैनल की तरफ से साधुराम यादव का भव्य स्वागत किया गया। अध्यापक साधुराम यादव के सम्मान में विचार व्यक्त करते हुए *पत्रकार कैलाश संघी* ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले अपनी विशिष्ट पहचान बनाते हैं,व्यक्ति कभी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं। विद्यालय में भले ही सेवाकाल पूरा हो जाए,मगर एक शिक्षक आजीवन अपने चारों ओर ज्ञान का प्रकाश फैलाया करते हैं। वे हमेशा समाज के लोगों को एक नई दिशा प्रदान करते रहते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद समाज के प्रति एक नई जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त साधुराम यादव ने सेवानिवृत्ति के पश्चात भी शिक्षा एवं समाज सेवा क्षेत्र में सदैव कार्यशील रहने की अवधारणा प्रकट करते हुए सभी अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस के जवान भाना राम यादव, जेवीवीएनएल मनोहरपूर सहायक अभियंता कार्यालय में कार्यरत ओएस गंगा राम सैनी, अब्दुल अज़ीज़ लोहानी, मोहसिन खान,खोरा लाड़खानी के पीर मोहम्मद आदि उपस्तीथ थे।

मनोहरपुर में बालिका के अपहरण का प्रयास, विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला

-बाइक सवार दो युवक फरार, बालिका घायल, मौके पर भारी भीड़ जुटी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर थाना इलाके के बावन मोहल्ला में मंगलवार शाम को सनसनीखेज वारदात सामने आई। बाइक सवार दो युवकों ने सब्जी लेने आई 10 वर्षीय बालिका का अपहरण करने का प्रयास किया। बालिका के विरोध और चीखने-चिल्लाने पर आरोपियों ने उसके हाथ पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, कस्बे के खाकिशाह मोहल्ला निवासी आलिया पुत्री सरफू सब्जी लेने बाजार आई थी। जब वह बामन देव मंदिर के पास पहुंची तो बाइक सवार दो युवक उसके पास आए और जबरदस्ती पकड़कर साथ ले जाने की कोशिश करने लगे। बालिका ने हिम्मत दिखाई और विरोध करते हुए जोर से चिल्लाने लगी। इस पर आरोपियों ने उस पर धारदार हथियार से हमला किया और फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और आक्रोश जताते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना पर हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह राठौड़, सुरज्ञान और धारा सिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और बालिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनोहरपुर में भर्ती कराया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं।

भादरा राजकीय महाविद्यालय को आगामी शैक्षणिक सत्र में किया जायेगा क्रमोन्नत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राजकीय महाविद्यालयों का क्रमोन्नयन विद्यार्थियों की संख्या एवं आवश्यकता को देखते हुए किया जाता है। उन्होंने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र में प्राथमिकता के आधार पर हनुमानगढ़ जिले के भादरा राजकीय महाविद्यालय को स्नातकोत्तर महाविद्यालय में क्रमोन्नत किया जायेगा। उच्च शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। इससे पहले विधायक संजीव कुमार के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय भादरा को स्नातक से स्नातकोत्तर में क्रमोन्नत करने का प्रस्ताव विभागीय स्तर पर विचाराधीन नहीं है।

राजकीय अवकाश के बावजूद संचालित निजी विद्यालयों को नोटिस

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में हुई कार्रवाई

- विद्यालय बंद करने तथा स्पष्टीकरण सहित पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु किया पाबंद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बाबा रामदेव जयंती (तेजा दशमी) के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा घोषित राजकीय अवकाश के दिन कुछ गैर-सरकारी विद्यालयों द्वारा अवकाश घोषित नहीं कर विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु बुलाए जाने की शिकायतें कलेक्ट्रेट एवं विभागीय अधिकारियों को प्राप्त हुईं। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर इन शिकायतों पर तत्परता से संज्ञान लिया गया और संबंधित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। जांच में टिओलर हाई स्कूल सिरसी रोड जयपुर, टिओलर अनबाउण्डेड सिरसी रोड जयपुर, जय पेरिवाल स्कूल वैशाली नगर जयपुर, जय पेरिवाल स्कूल महापुरा जयपुर तथा सवाई मानसिंह विद्यालय रामबाग सर्किल जयपुर के संचालित होने की पुष्टि हुई। इस पर जिला कलक्टर के निर्देशानुसार इन विद्यालयों के सचिवों को तत्काल नोटिस जारी कर विद्यालय बंद करने तथा स्पष्टीकरण सहित पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए पाबंद किया गया। साथ ही जिला कलक्टर के निर्देश पर संबंधित विद्यालयों को यह भी स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया है कि भविष्य में राजकीय अवकाश के दिनों में विद्यालय पूर्णतः बंद रखे जाएं और विभागीय आदेशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही संबंधित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को भी कठोरता से पालना करवाने और भविष्य में पुनरावृत्ति रोकने हेतु निर्देशित किया गया है। अवहेलना की स्थिति में तत्काल कार्यवाही हेतु स्पष्ट प्रस्ताव भिजवाने के आदेश भी जारी किए गए हैं।

सतलुज नदी के रसायनयुक्त पानी की रोकथाम के लिए किये जा रहे हैं हर संभव प्रयास- कन्हैयालाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि पंजाब की ओर से राजस्थान की नदियों एवं नहरों में आने वाले अपशिष्ट जल की रोकथाम के लिए प्रदेश सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि सतलुज नदी के जल संग्रहण क्षेत्र मे स्थित 57 एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) से अपशिष्ट जल की रोकथाम की जा रही है एवं इस क्षेत्र में 10 नये एसटीपी का भी निर्माण किया जा रहा है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक डूंगरराम गेदर द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जल संसाधन मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान-पंजाब बॉर्डर पर इंदिरा गाँधी फीडर एवं बीकानेर केनाल के माध्यम से राज्य की सीमा में प्रवेश करने वाले पानी की गुणवत्ता की रियल टाइम मॉनिटरिंग कर प्रत्येक घंटे के अन्तराल पर रिपोर्ट राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जल संसाधन विभाग के हनुमानगढ़ कार्यालय में प्रदर्शित की जाती है। इस रिपोर्ट के अनुसार पेयजल हेतु प्राप्त जल निर्धारित मानक का है। इससे पहले विधायक डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने बताया कि जालंधर स्थित फैक्ट्रियों का रसायन युक्त अपशिष्ट पानी सतलुज नदी में गिरता है, जो हरिके बैराज के माध्यम से राजस्थान की नहरों में प्रवाहित होता है। राजस्थान सरकार ने समय-समय पर पंजाब सरकार से प्रदूषित जल को शोधन के पश्चात ही जल प्रवाह सिस्टम में प्रवाहित करने का आग्रह किया है जिससे इंदिरा गांधी नहर में प्रदूषित जल प्रवाहित नहीं हो। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मण्डल द्वारा पंजाब प्रदूषण नियंत्रण मंडल को प्रदूषण के मुख्य स्त्रोतों का विस्तृत विवरण देते हुए जल प्रदूषण की रोकथाम हेतु निर्देश जारी किये गये।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

बिरादरी अमरसरिया मनिहारान का चौथा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

-AMT एवं यूथ विंग जाजम के सौजन्य से प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ आयोजित

सीकर (रॉयल पत्रिका)। अमरसरिया मनिहारान बिरादरी का चौथा प्रतिभा सम्मान समारोह 31 अगस्त 2025 रविवार को सीकर में आयोजित किया गया। इस प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी जोधपुर के चेयरपर्सन जनाब अतीक अहमद एवं विशिष्ट अतिथि मदरसा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन एम डी चोपदार थे। समाननीय अतिथियों में मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी जोधपुर के कुलपति जमील अहमद कासमी, एडवोकेट मौलाना अहसान तिमिमी, शिक्षा विद सुशील शर्मा वह नगर परिषद सीकर के पूर्व सभापति जीवण खां और बिरादरी अमरसरिया मनिहारान के सदर हाजी बदरुद्दीन शेख रहे। आयोजन में 6 टॉपर्स बच्चों को इनामात व पारितोषिक के रूप में 5100 ₹ का चेक प्रत्येक को आयोजको की तरफ से दिए गए। आयोजन में ताहिर खान s/o अनवर अली, गांव झाड़ली 97.50 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉपर रहा। आए हुए अतिथियों ने प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनकी सफलता की कामना की।

आयोजन में बिरादरी अमरसरिया मनिहारान की तरफ से तीन आगामी जिनमें योजना सामूहिक विवाह सम्मेलन, बिरादरी की डायरेक्टरी व युवा वर्ग के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन का पोस्टर विमोचन भी किया गया। इस आयोजन में सीकर शहर व दूर दराज के शहरों तक के बिरादरान व बिरादरी की शूरा कमेटी, यूथ विंग जाजम, मेरिज गाइडेंस ब्यूरो व AMT के पदाधिकारियों के साथ जनाब हाजी बशीर, सेकेट्री जमील कुरैशी, खजांची बरकत खान, हाजी जमालुद्दीन, सूबेदार भंवर अली, जब्बार खान, मास्टर बरकत, हाजी लतीफ, रफीक शेख, अयूब शेख, उस्मान मिर्जा,निजामुद्दीन बेरी, मो जलाल, सैय्यद रमजान, अनवर ढाढोत, महबूब खान, अख्तर मुगल, T। हमीद कुरैशी, एडवोकेट जैनुल, यासीन खान, हाजी जाफर, हाजी शहाबुद्दीन, हवलदार सलीम, बशीर प्रिंसिपल, इकबाल मास्टर, सद्दाम सैय्यद व हाजी सबिरुद्दीन,यासीन सिरियासर, हमीद बड़वासी, शेखू भाई, मुन्ना जी, इलियास कुरैशी, यूनुस परवेज, मुख्तियार अली, एडवोकेट जाफर, सद्दीक कुरैशी, इस्माइल चिराना, इब्राहिम मैनेजर, मीर जाफर, अय्यूब तोगडां, रज्जाक ढाढोत, सहित सैंकड़ो बिरादरान उपस्थित रहे। आयोजन में मंच संचालन हारून रशीद और हाजी सबिरुद्दीन ने किया व आयोजन की निगरानी मोहम्मद सलीम खिरोड़ ने की।

ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर साम्प्रदायिक सद्भाव एवं सोहार्द तथा देशभक्ति के संदेश के साथ

-जुलूस-ए-मोहम्मदी का होगा ऐतिहासिक आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। ईद मिलादुन नबी के अवसर पर जुलूस-ए-मोहम्मद 5 सितंबर शुक्रवार सुबह 10:00 बजे मरकाजी मदरसा मदीना तुल उलूम से रवाना होंगा चूरू जिला मुख्यालय पर ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर शहर इमाम चूरू सैय्यद मोहम्मद अनवार नदीमुल कादरी के नेतृत्व में चूरू शहर में शांति सद्भाव सोहार्द आपसी भाईचारा देशभक्ति के संदेश के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी का आयोजन किया जाएगा। जुलूस-ए-मोहम्मदी को अद्वितीय एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए खानका-ए-कादरिया इनायतिया जामा मस्जिद चूरू में पीर सय्यद अबरार अहमद कादरी साहब की अध्यक्षता में सभी मोहल्लों एवं वार्डों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं प्रबुद्धजनों के साथ जुलूस को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया गया। जुलूस-ए-मोहम्मदी शहर इमाम चूरू सय्यद मोहम्मद अनवार नदीमुल कादरी के नेतृत्व में रवाना होकर मोहल्ला

तेलियान से होते हुए धोबियों का चोराहा, बैदो की धर्मशाला, नई सडक, स्टेशन, धर्मस्तुप, श्याम हॉल, आलोक हॉल, मालजी का कमरा होते हुए वापस धोबियों का चोराहा होते हुए मरकजी मदरसा मदीना तुल उलूम में देश में अमन चैन खुशहाली भाईचारा सोहार्द सद्भाव व देश की तरक्की उन्नति की दुआ के साथ जुलूस का समापन किया गया। इस अवसर पर सैय्यद गुलाम मुस्तफा कादरी, प्रोफेसर डॉ. जे.बी खान, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, शोयल खान डीके, मोहम्मद रफीक छीम्पा, इस्माईल गौरी, मोबद्दीन लुहार, अय्यूब लुहार, आसिफ निर्वाण, आरिफ सब्जी फिरोश, असलम सिकरिया, उस्मान चेजारा, इब्राहिम सिसोदिया, अल्ताफ रंगरेज, अकबर अली, जावेद रंगरेज, खुशी मोहम्मद, आले हसन, रेहान, नईम, मुज्जफर, जाकीर प्यारे, शकील प्यारे, इमरान मलणस, मुस्लिम, मोहल्ला तेलियान, अगुणा, आथुणा, चेजारान, लुहारान, व्यापारियान, काजीयान, सब्जी फिरोशान, नीलगरान, उस्मानाबाद, नई सड़क सहित सभी मोहल्लों के प्रतिष्ठित व्यक्ति एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने किया।

सेंट अंसलेम स्कूल के पास बिलाल मस्जिद की गली में गड्ढे और पानी भराव से लोगों को भारी परेशानी

टोंक (रॉयल पत्रिका)। सेंट अंसलेम स्कूल के पास स्थित बिलाल मस्जिद की गली की सड़क की हालत इन दिनों बेहद खराब हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढे और पानी भराव से स्थानीय लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में हालात और भी खराब हो गए हैं, जिससे राहगीरों के साथ-साथ वाहन चालकों के लिए भी यह सड़क मुसीबत का सबब बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस सड़क से स्कूल जाने वाले बच्चों और आसपास रहने वाले लोगों को रोज़ाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गली में जमा पानी मच्छरों की समस्या को भी बढ़ा रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन और माननीय विधायक महोदय से मांग की है कि जल्द से जल्द इस सड़क की मरम्मत करवाई जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

चौमूं में नवपदस्थापित पुलिस उपायुक्त उषा यादव का स्वागत

-स्थानीय समस्याओं को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं में नवपदस्थापित पुलिस उपायुंक्त आई.पी.एस. उषा यादव पदभार ग्रहण किए जाने पर उनका चौमूं तहसील के अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित डॉक्टर रविंद्र आचार्य के द्वारा शॉल, श्याम दुपट्टा, श्याम कलम, श्याम इत्र एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर चौमूं क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार, नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने, तथा होटलों में चल रहे अनैतिक गतिविधियों की रोकथाम जैसे मुद्दों को उठाया गया। आई.पी. एस. उषा यादव ने ज्ञापन में उल्लिखित सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि चौमूं क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी और समाज विरोधी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर जयपुर जिला देहात यादव समाज महासभाके मीडिया प्रभारी भगवान सहाय यादव, सुनील कुमार अग्रवाल, पंडित रामस्वरूप शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा, पंडित अमित शर्मा, मुकेश बागड़ा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जुलूस-ए-मुहम्मदी को लेकर बैठक आयोजित

-ओलमा-ए-अहले-सुन्नत की देखरेख में निकलेगा जुलूस-ए-मुहम्मदी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। शकील पठान ने बताया कि आशिकाने रसूल कमेटी और ओलमा ए अहले सुन्नत की देखरेख में निकलने वाले जुलूस ए मुहम्मदी की तैयारी को लेकर मौलाना जावेद की सरपरस्ती में बैठक आयोजित की मोहसिन अत्तारी ने बताया कि जुलूस हजरत अब्दुल लतीफ शाह रहमतुल्लाह अलेही की दरगाह से मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी सुबह 8:00 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साजिद खान ने बताया कि ओलमाए अहले सुन्नत की मान्यता के अनुसार पूर्ण सादगी, अदबो, एहतराम और अकीदत से जुलूस ए मुहम्मदी निकाला जाएगा। जुलूस की तैयारी को लेकर मुस्लिम इलाके रमजान जी का हत्था, मुंशी सिफर हुसैन कॉलोनी, मिरासी कॉलोनी, प्रताप नगर, बंबा, उदय मंदिर एवं मदीना कॉलोनी में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है और जुलूस की दौरान सफल आयोजन करने के लिए कार्यकर्ताओं में जिम्मेदारी बांटी गई। आसिफ नुरी ने बताया कि मीटिंग के दौरान समाजसेवी मोहम्मद जावेद, इफ्तिखार

अहमद, मौलाना हाफिज जावेद, मोहम्मद अली रंगरेज, सैयद हैदर अली, राजू भाटी, सद्दाम अब्बासी, आसिफ नूरी, मोहम्मद शाहरुख, नसीम अली, मोहम्मद जावेद, एडवोकेट अब्दुल खालिद, मोहम्मद सलीम मुन्ना, मोहम्मद सदीक राजू, मोहम्मद इरफान कुरैशी, मोहम्मद कायम, उमर सामरिया, हेदर नुरी, नासिर हुसैन, जुल्फिकार अली, नूर मोहम्मद, मोहम्मद फारुख, सदीक, रुस्तम अली, शेर मोहम्मद, चांद मोहम्मद, हारुन अब्बासी, अमन, तोफीक, अबुबकर, मोः फैजान, मोः तारीक, मोः असलम, मोः वसीम, लियाकत अली, मोहम्मद हारुन, मोः रसीद, इफ्तिकार अहमद, सिराजुद्दीन, नफीस अहमद, वाजिद उस्ताद, आजाद सहित ओलमाए अहले सुन्नत, जोधपुर के तमाम बुद्धिजीवी, विद्वान और तमाम आशिकाने रसूल जोधपुर आदि उपस्थित रहे।

जुलूस ए मुहम्मदी मे सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध दिया जाएगा संदेश-

जोधाणा के अध्यक्ष इमरान कुरेशी ने बताया कि नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान और ऑल इंडिया कौमी एकता कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में एक युद्ध नशे के विरुद्ध पोस्टर विमोचन किया गया जुलूस ए मुहम्मदी के दौरान नशा मुक्त समाज का देंगे सन्देश नशा मुक्ति मूहिम का पोस्टर विमोचन कर सांप्रदायिक सद्भावना, कौमी एकता, आपसी भाईचारा व सौहार्द का दिया संदेश और युवाओं को नशे के विरोध जागरूक करने का संकल्प लिया।

बीजलबा गांव में तेजा दशमी के अवसर पर रक्तदान शिविर में 35 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ

फिरोज खांन वारसी

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। रक्तदान जरूरतमंद को जीवनदान की सोच से प्रेरित करने वाले कैंप ऑर्गेनाइजर सीताराम मीणा व रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर ने बताया कि तेजा दशमी के अवसर पर बीजलबा गांव में 2 सितंबर 2025 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 35 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। इस अवसर पर तेजाजी महाराज की मूर्ति पूजा अर्चना कर अतिथिगण पूर्व सरपंच भंवर लाल मीणा, कोमल नागर पंचायत समिति सदस्य, वार्ड पंच सद्दाम हुसैन, सीताराम मीणा सामाजिक कार्यकर्ता, बाबूलाल मीणा, गोपीचंद मीणा, पूर्व शिक्षा संघ सुगंध चंद मीणा, राजाराम मीणा, धनराज मीणा एइएन साहब आदि ने रक्तदान शिविर की शुरुआत की जिसमें रक्तवीरों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जिसमें 35 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ।

इन रक्तवीरों ने किया रक्तदान-

सीताराम मीणा,पिंकी मीणा,दिनेश जांगिड़, सुगन चंद, प्रदीप मीणा, महेंद्र प्रजापत, प्रधान मीणा, रमेश मीणा, धनराज मीणा,

मैनेजर मीणा, आशाराम मीणा, राधेश्याम,डोलान्ड मीणा, दिलखुश मीणा, बलराम गुर्जर, मायाराम, खुशीराम मीणा, गणेश मीणा,गोलू मीणा,आकाश मीणा,विजय मीणा, धर्मराज मीणा, आशाराम मीणा, धर्मराज, रामलाल मीणा, हनुमान मीणा, राजेंद्र मीणा, राकेश कुमार मीणा, मुकेश बैरवा, राजेश मीणा, कालूराम मीणा, राकेश मीणा, राजकुमार, कमल मीणा, जोधराज गुर्जर आदि ने रक्तदान करने में अहम भूमिका निभाई।

जनता के लिए जागरूक संदेश-

कैंप ऑर्गेनाइजर सीताराम मीणा व नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर ने बताया कि इस बीजलबा गांव में दुसरी बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें 35 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ है इसी प्रकार से सभी स्वस्थ नौजवानों को एक साल में 2 से 4 बार रक्तदान करना चाहिए जिससे ब्लड बैंकों में हो रही ब्लड की कमी को पूरा किया जा सके ताकि जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सके।

इन्होंने किया रक्त संग्रहित-

सामान्य चिकित्सालय बूंदी ब्लड बैंक की टीम डॉ. भागचंद नागर, एलटी नरेश नागर, एलटी दीपक मीणा, एलटी विकेश मीणा, एलए लोकेश गौतम, नरेंद्र गुर्जर नर्सिंग ऑफिसर, हेल्पर देवेंद्र सिंह, वाहन चालक सुजीत कुमार ने रक्तदान संग्रहित करने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

अंता विधानसभा उप चुनाव की तैयारियां शुरू

-मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी बारां की अध्यक्षता में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आगामी उप चुनाव के दृष्टिगत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 193-अंता में अर्हता 1 जुलाई 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी, बारां द्वारा अर्हता दिनांक 01.07.2025 के संदर्भ में विषेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान की गई जिसके तहत दिनांक 03.09.2025 को मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन किया गया। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मीडिया की उपस्थिति में मतदाता सूची की प्रति की हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी सीडी एवं पेनड्राइव में उपलब्ध करवाई जाकर प्राप्ति रसीद प्राप्त की गई। महाजन ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को भी संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथियों के तहत प्रारूप प्रकाशन के पश्चात 3 सितंबर से 17 सितंबर तक दावे आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि

से अवगत कराया गया। सभी प्राप्त दावें आपत्तियों का निस्तारण 25 सितम्बर, 2025 तक किया जाना है। इसके बाद 01 अक्टूबर, 2025 को मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। जिला स्तर से दिनांक 07 तथा 14 सितम्बर, 2025 (रविवार) को विशेष अभियान तिथि निर्धारित की गई है जिसके अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र 193-अंता के सभी मतदान केन्द्रों पर बूथ लेवल अधिकारी उपस्थित रहेगें तथा दावे आपत्तियां प्राप्त करेगें। इस संदर्भ में मीडिया में व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं नियमित रूप से समाचार पत्रों में प्रेस नोट प्रकाशित करने हेतु आग्रह किया गया। मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के अन्तर्गत अंता विधानसभा क्षेत्र में 1,15,982 पुरूष, 1,10,241 महिला एवं 04 अन्य मतदाता पंजीकृत है। इस प्रकार प्रारूप प्रकाशन के समय विधानसभा क्षेत्र अन्ता में 2,26,227 मतदाता पंजीकृत है। मतदाता सूचियों के मतदाताओं के संबंध में तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा-निर्देशों की मीडिया व राजनैतिक दलों के उपस्थित प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया एवं आमजन से भी अपील की गयी कि जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाईट पर उपलब्ध प्रारूप सूची में अपना नाम जांच लेवे एवं संतुष्ट न होने की स्थिति में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अंता को दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करें। अंता विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बीएलए-2 की नियुक्ति नहीं की गई है इस संदर्भ में विशेष ध्यान दिया जाकर बीएलए-2 शीघ्र नियुक्त करने हेतु उपस्थित प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया तथा इण्डियन नेशनल कंग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष को भी चारों विधानसभा क्षेत्र में बीएलए-2 की नियुक्ति शीघ्र करने हेतु अनुरोध किया गया। वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र 193-अंता में मतदान केन्द्रों के सुव्यवस्थीकरण के प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित होने के पश्चात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अन्ता में 247 से बढकर 268 हो गई है इस जानकारी को प्रदान करते हुये नये मतदान केन्द्रों पर भी पार्टी प्रतिनिधियों से बीएलए-2 नियुक्त करने हेतु निवेदन किया गया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द राजस्थान ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

-बाढ़ पीड़ितों के लिए विशेष राहत पैकेज, पुनर्वास और संरचनात्मक समाधान की मांग की गई

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर और उसके आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही में आई भीषण बाढ़ ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस आपदा की गंभीरता को देखते हुए जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द राजस्थान का एक प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सवाई माधोपुर ज़िले के विभिन्न इलाकों का दौरा कर मौके की वस्तुस्थिति का गहन जायज़ा लिया। प्रतिनिधिमंडल ने बाढ़ प्रभावित नागरिकों की समस्याओं को नज़दीक से देखा और उनकी ज़मीनी ज़रूरतों को समझा। इसके बाद आज, मुहम्मद आज़म ख़ान (सह-सचिव, जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द राजस्थान) के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर, सवाई माधोपुर को मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा, जिसमें बाढ़ से प्रभावित नागरिकों, किसानों और क्षेत्रों के लिए त्वरित सहायता तथा दीर्घकालिक समाधान की मांग की गई। मुहम्मद आज़म खान ने बताया की जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द राजस्थान की तरफ से बाढ़ प्रभावित इलाकों में पीड़ितों को राशन किट, आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। जड़ावता गांव में बाढ़ से अपना घर गँवा चुके मौजीराम पटेल को 21000 रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। साथ ही जो भी पीड़ित हैं उनकी हर संभव मदद की जा रही है।

ज्ञापन की मुख्य माँगें:

बाढ़ के कारणों की निष्पक्ष समीक्षा और संरचनात्मक समाधान: ज्ञापन में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि सवाई माधोपुर शहर और

आस-पास की बस्तियों में आई बाढ़ केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि इसमें निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड के चलते अवरुद्ध नालों और सूरवाल बांध को बनास नदी से न जोड़े जाने जैसी योजनागत कमियाँ भी ज़िम्मेदार हैं। इसलिए, राज्य सरकार को चाहिए कि वह स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित कर कारणों की गहन समीक्षा कराए, और स्थायी समाधान सुनिश्चित करे ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके।

फसल क्षति का मुआवजा: बाढ़ से किसानों की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। अतः सरकार तुरंत गिरदावरी करवा कर उचित मुआवजा प्रदान करे, जिससे किसान अगली फसल के लिए तैयार हो सकें।

विशेष बजट और पुनर्वास योजना: सवाई माधोपुर ज़िले की उन ग्राम पंचायतों और क्षेत्रों के लिए, जो सबसे ज़्यादा प्रभावित हुए हैं, विशेष बजट जारी कर वहां की सड़कें, पेयजल व्यवस्था, स्कूल और स्वास्थ्य सेवाएं फिर से चालू की जाएं।

क्षतिग्रस्त मकानों के लिए सहायता और पुनर्वास: जिन लोगों के घर ढह गए या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उन्हें त्वरित मुआवजा दिया जाए और जरूरतमंद परिवारों के लिए रहने की अस्थायी और स्थायी व्यवस्था की जाए।

खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अतिरिक्त अनाज: जल भराव के कारण कई परिवारों का घरों में रखा अनाज नष्ट हो गया है। ऐसी स्थिति में सरकार खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत आगामी 6 महीनों तक प्रति परिवार दुगुनी मात्रा में अनाज उपलब्ध कराए, ताकि कोई भूखा न रहे।

चिकित्सा सुविधा एवं स्वास्थ्य परीक्षण: पानी जमा रहने से संदिग्ध बीमारियाँ फैलने का खतरा बढ़ गया है, विशेष रूप से मच्छरजनित रोग। ऐसे क्षेत्रों में विशेष चिकित्सा शिविर लगाए जाएं, स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए, और दवाइयों की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर कई सामाजिक और जनप्रतिनिधि डॉ. मुमताज़ अहमद, अबसार अहमद, मौलाना मन्सूर अहमद, मोहम्मद यूनुस, मास्टर अब्दुर्रज़्ज़ाक, मुबारक अली, फसाहत अली, अब्दुल बारी, आसिम खान, राशिद अली, हाजी अब्दुल सत्तार, आज़ाद खान आदि शामिल रहे।

गोविन्दगढ़ सीओ राजेश जांगिड़ को मिली सफलता

सामोद (रॉयल पत्रिका)। सामोद इलाके के भोपावास आतेर माता मंदिर से चोरी की वारदात का खुलासा। सामोद पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार। आरोपी युवक ने आतेर माता मंदिर से चांदी के छत्र व अन्य सामान, चोरी की वारदात को दिया था अंजाम। पुलिस ने आरोपी मोहनलाल सैनी निवासी नांगल भरड़ा को किया गिरफ्तार।

गीतांजली हॉस्पिटल द्वारा" वर्ल्ड हार्ट डे" जागरूकता माह की शुरुआत

-वरिष्ठ नागरिकों को बताए दिल को स्वस्थ रखने के उपाय

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल की ओर से सितंबर माह में आने वाले वर्ल्ड हार्ट डे के उपलक्ष्य में जनजागरूकता गतिविधियाँ शुरू हो चुकी हैं। इसी क्रम में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रोहिन के. सैनी ने महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के 19वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लिया, जो कृष्णा वाटिका में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. सैनी ने वरिष्ठ नागरिकों को हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय बताए और उपस्थित लोगों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा। कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के सदस्यों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया तथा बीपी और शुगर की जांच भी की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सुंदर कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें कवयित्री डॉ. कविता किरण ने सरस्वती वंदना से शुरुआत की और हास्य कवि पंडित सुनील व्यास ने अपनी रचनाओं से सभी को गुदगुदाया।

अंसारी वेल्फेयर सोसाइटी, कोटा द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मंगलवार 02 सितम्बर 2025 को केबल नगर स्थित सार्वजनिक सेलानी दरगाह पर अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा के आगामी 28 दिसम्बर 2025 को पी ए एस गार्डन में आयोजित होने वाले अंसारी प्रतिभा सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया। सोसाइटी के मीडिया प्रभारी और अंसारी दर्पण के संपादक रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार अंसारी प्रतिभा सम्मान समारोह के आवेदन दिनांक 15 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित

प्रपत्र में दिए गए केन्द्रों पर जमा करवा सकते हैं। इस अवसर सोसाइटी के अध्यक्ष इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, सचिव ज़हूर अहमद, कोषाध्यक्ष अब्दुल मजीद अंसारी तथा कार्यकारिणी सदस्य मेडम गुलजार, इरशाद हुसैन, जमील अहमद और अब्दुल करीम मौजूद रहे।

अपनी संस्कृति व सांगोपांग लोक कला राजस्थान का गर्व है- राजवीर सिंह चलकोई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राष्ट्रीय संस्थान नगर प्रांगण में राजस्थान कला संस्कृति एवं विरासत संरक्षण अभियान द्वारा घुमंतू एवं अर्ध घुमंतु दिवस पर राज्य की भोपा जाति के सुरीले साज "रावण हत्था" की मनमोहक प्रस्तुति के साथ भव्य सांस्कृतिक आयोजन हुआ।पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर कमल सिंह कोठारी की अध्यक्षता वाले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा आईकॉन राजवीर सिंह चलकोई, मुख्य वक्ता इंटेक शेखावाटी चेप्टर की कैंनविनीयर डॉक्टर श्रुति नाद एवं विशिष्ट अतिथि बिड़ला सार्वजनिक हॉस्पिटल पिलानी के निदेशक मधुसूदन मालानी व राजस्थान कला संस्कृति एवं विरासत सरक्षण अभियान के प्रदेश संयोजक नितिन बजाज मचस्थ रहे। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण 40 देशों में रावण हत्था वाद्य यंत्र कला को बढ़ावा देने वाले अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार कीकरलाल भोपा ग्रुप ने जब रावण हत्था की धुन पर तालरिया मगरिया रे, हरिराम जी नै ध्यावै बांका दुखड़ा मिट ज्यावै, केशरो नागण को जायो गीत के साथ रावण हत्था की धुन बजाई तो राजस्थान की लोक कला, साकार हो उठी और दर्शक झूमने लगे। कार्यक्रम के संयोजक नितिन बजाज ने सभी का स्वागत

करते हुए कहा कि राजस्थान की विरासत की जानकारी देने के लिए ये आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजवीर सिंह चल कोई ने कहा की राजस्थान की संस्कृति व रीति रिवाज समृद्ध है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार कमल सिंह कोठारी ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति को बचाने में इन लोक कलाकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य वक्ता डॉ. श्रुति नाद ने अपने विचार रखते हुए कहा की राजस्थान कला संस्कृति एवं विरासत संरक्षण अभियान के द्वारा यह जो कार्यक्रम किया गया है इसके लिए सभी को साधुवाद। दीया।डॉ मधुसूदन मालानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से आने वाली युवा पीढी राजस्थानी परंपरा का ज्ञान होता है। कार्यक्रम का संचालन गुरुदास भारती व रवि दाधीच ने किया। आयोजन समिति के संयोजक राहुल शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर राजीव बहड़, राहुल शर्मा, रामरतन बजाज, आशा कोठारी, काव्या, प्रभा, राजेश महनसर, डॉ. श्यामसुन्दर शर्मा, डॉ. प्रमोद बाजोरिया, महेश बावलिया हरिमोहन दाधीच, बाबू पाटील, डॉ. मोतीलाल सोनी, हर्ष बजाज, नरेन्द्र राठौड़, सौरभ सिंह, आशीष माटोलिया, कुलदीप जारावत, गौतम सारस्वत, मदन पंवार, अजय नायक, मोहित सिगानियां, रावतसिंह चौहान, मोहित इन्दोरिया, तिलोक औझा, दिपक गुर्जर, दिव्यांस जांगिड़, मयंक जालाण, पंकज शर्मा, अमित खारिया, दिव्यासू सैनी, रौनक गुर्जर, डॉ पार्थ शर्मा, डॉ. रामानंद शर्मा, सुमित बोहित, गजानंद गौड़, हरिश शर्मा, विकास हिमांशू, सौरभ राजपुरोहित, मेघराज बजाज, कुलदीप जरगावत, आदित्य सिंह एडवोकेट, आन्नद बालाण सहित सैकड़ो की संख्या में सहित अनेक कला प्रेमी उपस्थित रहे।

यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष आसिफ खान ने गांवों का दौरा किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। बास घण्टेल, में यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष आसिफ खान में गांवो का दौरा किया पिछले दिनों से हो रही अत्यधिक बारिश के कारण विधानसभा क्षेत्र चूरू के गांव बास घण्टेल के लगभग 10-15 घरों में जलभराव से नुकसान हुआ है आज टीम द्वारा सूचना मिलने पर परिवारजनो के बीच पहुँचकर कुशलक्षेम जानी। और हर समय सहयोग करने का आश्वासन दिया।

खेलों और मेलों से लोक संस्कृति तथा सद्भाव को बढ़ावा मिलता है- हीरावत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय गांव ढाणी डीएसपुरा में लोक देवता वीर तेजाजी के निर्वाण दिवस पर कबड्डी प्रतियोगिता तथा प्रतिभा सम्मान समारोह समाज सेवी भामाशाह बसंत हीरावत, कुसुम हीरावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।कबड्डी प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। निर्णायक मुकाबले में छाजुसर ने तेजल डीएसपुरा को हराकर खिताब अपने नाम किया। उप विजेता तेजल डीएसपुरा सहित सभी विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षा परिणाम में उच्च अंक प्राप्त, नीट व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कुसुम हीरावत ने तेजाजी को लोक कल्याण का प्रेरक बताते हुए कहा कि हमारे लोक देवताओं ने पीड़ित मानवता के कल्याणार्थ उत्सर्ग किया। बसंत हीरावत ने कहा कि तेजाजी सहित सभी लोक देवताओं के कार्यो से युवा पीढ़ी को संस्कारवान करने के लिए लोक संस्कृति स्मारक बनाने

की आवश्यकता है। प्रशासन और सरकार इस दिशा में कार्ययोजना बनाए तो मैं सहयोग करने के लिए तैयार हूं। विशिष्ट अतिथि जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्योल नेकहा हमारे लोक नायक सद्भाव, समरसता और सहयोग का संदेश देते हैं। वीर तेजाजी विकास समिति के अध्यक्ष दलीप सरावग ने तेजाजी सहित लोक देवताओं के कृतित्व की जानकारी दी ।आयोजन समिति के अध्यक्ष जसवीर गोदारा ने खिलाड़ियों, सम्मानित प्रतिभाओं, अतिथियों, ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं की टीम के सामंजस्य से लगातार 15 वर्षों से यह कार्यक्रम किया जा रहा है।गोदारा ने युवाओं को खेती किसानी में नवाचार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सहीराम पूनिया, शिशुपाल बुडानिया, राकेश बेनीवाल, अनिल रणवां, मोहन हुड्डा, महादेव महिया, जितेन्द्र बाबल, अशोक हुड्डा, कन्हैयालाल रणवां, विनोद गोदारा, गोपीचंद खीचड़ , नंदकिशोर इसराण, जयप्रकाश ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। वीर तेजाजी समूह की तरफ से नेमीचंद गोदारा,पन्ना लाल इसराण, देवेन्द्र, उपेन्द्र, नरेन्द्र सिहाग, रोहित जानू, विकास दुलड, दुष्यंत, मुकेश, बनवारी, भरत, संदीप, मनीष, अनील ने आयोजकीय भुमिका निभाई। संयोजक जसवीर गोदारा ने आभार व्यक्त किया।

दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षिक संस्था द्वारा तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह में 600 प्रतिभाओं का किया सम्मान

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के कचोलिया रोड़, शाही बाग पैलेस में रविवार को दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षिक संस्था द्वारा तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह अखिल भारतीय सांगलिया धूणी सीकर के ओमदास महाराज के सांनिध्य में भगवान महात्मा बुद्ध व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ओमदास महाराज ने शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव सेवा, महिला सशक्तिकरण आदि पर विशेष जोर दिया। विशिष्ठ अतिथि बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने बताया कि प्रतिभाओं का सम्मान करने से प्रेरणा पाकर भविष्य में उच्च पदों पर पहुंचकर मानव सेवा ओर राष्ट्रीय सेवा के प्रति समर्पित रहे। अध्यक्षता संस्थापक व अध्यक्ष एडवोकेट जितेन्द्र बुनकर ने की। विशिष्ठ अतिथि डॉ. अंबेड़कर मेमोरियल वैलफेयर सोसायटी के प्रदेशाध्यक्ष जसवंत सम्पतराम, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, सेवानिवृत भरतपुर संभागीय आयुक्त पीसी बेरवाल, सेवानिवृत एडिशनल एसपी अनिल गोठवाल, सेवानिवृत सीआरपीएफ एसपी केएम बुनकर, एडवोकेट रमेश रत्न, सेवानिवृत जज टेकचंद राहुल, भंते प्रज्ञा सागर, कानदास महाराज, संस्था के संरक्षक चुन्नीलाल

मण्डारवाल, जिला परिषद सदस्य जितू बुनकर, पंस. सदस्य सुनीता बुनकर, पंस. सदस्य सुमन बुनकर ने अपने विचार व्यक्त किए। संस्था के महासचिव महेंद्र कुमार बॉयला ने बताया कि वर्ष 2024-25 में 600 प्रतिभावान विद्यार्थियों, 50 नवनियुक्त कर्मचारी, 30 प्रतिभागी खिलाड़ी, 25 स्काउट, एनसीसी व एनएसएस, 50 समाजसेवियों, 15 भामाशाहों एवं जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया। इससे पूर्व आए हुए अतिथियों का संस्था के पदाधिकारियों द्वारा पंचशील का दुपट्टा पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंच संचालन प्रभुदयाल वर्मा, महेंद्र सिंह खण्डेवाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के अन्त में संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र बुनकर ने सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस दौरान संस्था के कोषाध्यक्ष बनवारी लाल कालावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्यामसुंदर बुगालिया, उपाध्यक्ष मनीष बिदावत, महेश मोरदिया, मुकेश रोजड़ा, हेतराम बबेरवाल, ओमप्रकाश बुनकर, रामचंद्र खारड़िया, प्रवक्ता विनोद कुमार वर्मा, संगठन सचिव उमराव परिहार, राजेंद्र फानण, सदस्य शंकरलाल बुनकर, बाबूलाल वर्मा, ताराचंद डूंडलोदिया, रवि बरवड़, अमरचंद, श्रवण मलिण्डा, राकेश बबेरवाल, सुनील वर्मा, लोकेश वर्मा, दीनदयाल बबेरवाल, अशोक बबेरवाल, दीपक बुनकर, सौदागर कांदेला, मुकेश जिन्दल, रघुनाथ पाटोदिया, सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, घनश्याम कांदेल, एडवोकेट धर्मेंद्र घसिया, पीसी बलाई, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, एडवोकेट राजेन्द्र कुमार वर्मा, हनुमान सहाय झांटीवाल, नरेश कुमार रोजड़ा, नंदकिशोर मोरदिया, चंद्रकला नागोरी, घीसालाल बबेरवाल, फूलचंद सिंघल, गोपाल लाल देवठिया, सियाराम बुनकर, राजेश सोगण, दीपक वर्मा इत्यादि लोग मौजूद रहे।

विशेष रूप से सक्षम बच्चों के मध्य खेलकूद प्रतियोगिता करवाने हेतु एडीजे ने ली बैठक

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। रालसा, जयपुर द्वारा विधिक चेतना अभियान 2025 के अवसर पर विशेष योग्यजनों के बीच खेलकूद प्रतियोगिता करवाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। इस हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्रीगंगानगर की अध्यक्षता में सोमवार को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, श्रीगंगानगर के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान शिक्षा विभाग से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गिरजेश कांत एवं जिला समन्वयक समावेशी शिक्षा भूपेन्द्र स्वामी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में 8 से 18 वर्ष की आयु या मानसिक मंदता में 18 वर्ष से अधिक आयु के विशेष रूप से सक्षमजन को भी सम्मिलित करते हुये उनके बीच खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित करवाई जाने हेतु मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्रीगंगानगर को निर्देशित किया गया।

वित्तीय समावेशन योजनाओं के संबंधित अभियान के शिविर होंगे आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिले में वित्तीय समावेशन से संबंधित योजनाओं से संबंधित अभियान आगामी 30 सितम्बर तक संचालित होंगे। इसमें ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर जन-धन खातों, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से लाभांवित किया जाएगा। अग्रणी जिला प्रबंधक संजय कुमार सिंह ने बताया कि शिविरों में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के पुराने खातों की केवाईसी करने के साथ ही नए जन-धन खाते हाल ही में व्यस्क हुए व्यक्तियों के खोले जाएंगे। मंगलवार, 2 सितम्बर को अजमेर ग्रामीण की गनाहेड़ा, किशनगढ़ की पींगलोद, पीसांगन की रामपुरा डाबला, भिनाय की गुडा खुर्द में शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार बुधवार, 3 सितम्बर को अजमेर ग्रामीण की माकड़वाली, किशनगढ़ की पनेर, श्रीनगर की भवानी खेड़ा, केकड़ी की लल्लाई में शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार 4 सितम्बर को अजमेर ग्रामीण की सराना, अरांई की देवपुरी, पीसांगन की मकरेड़ा, सरवाड़ की जोतायां, 5 सितम्बर को अजमेर ग्रामीण की तबीजी, किशनगढ़ की सिनोदिया, श्रीनगर की रामसर, सावर की कालेरा कंवरजी, 8 सितम्बर को अजमेर ग्रामीण की कड़ैल, अरांई की गोठियाना, श्रीनगर की लवेरा, भिनाय की कनाई कलां में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

बारां प्रकरण में पुलिस प्रशासन निष्पक्ष जाँच करे

बारां (रॉयल पत्रिका)। गत 31 अगस्त को बारां शहर में संघ द्वारा निकाले जाने वाले पथ संचलन पर उपजे विवाद के उपरांत प्रशासन द्वारा दर्ज किये गए मुक़दमों पर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन ने ज़िला प्रशासन से मांग की है कि उपरोक्त प्रकरण में पुलिस प्रशासन निष्पक्ष जाँच करे एवं वास्तविक दोषियों पर ही कार्यवाही करे ताकि निर्दोष व्यक्तियों को इस मुक़दमें में अकारण परेशान न होना पड़े। सर्वप्रथम तो घटना दुःखद है प्रशासन को इस प्रकार के संवेदनशील मार्ग से पथ संचालन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी जिस से दो समुदाय में विवाद होने की स्थिति उत्पन्न होने से स्थिति तनावपूर्ण हुई जिस से कानून व्यवस्था भी प्रभावित हुई जबकि प्रशासन को इस मार्ग से पथ संचालन निकालने की अनुमति देने से पहले ही दोनों समुदाय के बुद्धिजीवी और प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठ कर चर्चा कर सहमति बनानी चाहिए थी जिस से यह विवाद ही नहीं होता परन्तु प्रशासन द्वारा इस दिशा में प्रयास ही नहीं किए गए। अतः ज़िला प्रशासन पूरे प्रकरण में निष्पक्ष कार्यवाही करे और किसी निर्दोष को अकारण परेशान न किया जाए जिस से नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास बना रहे और शहर में सौहार्द व भाईचारा क़ायम रहे तथा आगामी त्योंहारों पर सभी समुदाय मिल जुलकर शांति से उनको मना सकें।

अब बेलों से खेती करने पर मिलेगी 30 हजार प्रोत्साहन राशि

-10 सितंबर 2025 तक कर सकेंगे आवेदन

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के तहत लघु सीमान्त कृषकों को बैलो से खेती करने पर 30,000 रुपए प्रोत्साहनराशि प्रदान की जाएगी। संयुक्त निदेशक (कृषि विस्तार) परेश पंड्या ने बताया कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के तहत लघु सीमान्त कृषकों को बैलों से खेती करने पर प्रोत्साहन राशि 30,000ध्- दिये जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ उठाने हेतु कृषकों को संबंधित कृषि पर्यवेक्षक कार्यालय में ऑफ लाईन आवेदन करना होगा। प्रत्येक आवेदन पूर्ण रूप से भरा हुआ हो । साथ ही आवेदन पत्र के साथ पशु का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, बैलों के साथ कृषक की जिओ टेगिग एवं स्व प्रमाणित फोटो लगी होनी चाहिये। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र के साथ जमाबंदी की नकल एवं बैंक खाते की प्रमाणित प्रति संलग्न करनी होगी। कृषक आवेदन की अंतिम 10 सितंबर 2025 रहेगी। अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों को स्वीकार नही किया जावेगा।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए कार्यकर्ताओं का किया अभिनंदन

-कांग्रेस सेवादल यंग बीग्रेड के अध्यक्ष बने गौरव शर्मा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कांग्रेस शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस पर चूरू जिला कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड अध्यक्ष बने गौरव शर्मा को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल स्टेट कनविनर जगदीश विश्नोईयों द्वारा जारी नियुक्ती पत्र सौपते हुए समारोह में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी की सोच के मुताबिक राष्ट्रीय सेवादल अध्यक्ष लालजी देसाई ने सेवादल में यंग ब्रिगेड का विस्तार करते हुए युवाओं को महत्व दिया है। इनकी ड्रेस वाईट जीन्स व वाईट टीसर्ट के साथ कैप में नजर आयेगे युवा। मंडेलिया ने कहा शर्मा पार्टी की रिति व नितियों और सेवादल से युवाओं को जोडने का जिले भर में अभियान चलाकर पार्टी को मजबुती प्रदान करेंगे। इस अवसर पर भाजपा छोड कांग्रेस का दामन थापने वाले बजरंग भाटी, सचिन शर्मा, अनुज मीणा, अनुराग शर्मा,

हिमांषू गुर्जर, रोनक गुर्जर, कुनाल खत्री का रफीक मंडेलिया ने माला व कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर कांग्रेस परिवार में स्वागत किया। इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खान, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किषोर धान्धू, किसान नेता आदूराम न्यौल, रमजान खान, नारायण बालाण, लालचंद सैनी, आरिफ रिसालदार, अबरार खां, विमल शर्मा, षिवकुमार शर्मा, संजय कटाला, गणेष लाटा, आदि ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन चूरू जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया।इस अवसर पर मनीष कुमावत, शंकर चंदेलिया, संजय भाटी, हेमंत सैनी, अनीस खान, तारीख नागौरी, बाबू मंत्री तोफीक खान, जावेद कुरेषी, असलम खां मोयल, ओमप्रकाष धान्धू, कमल शर्मा, राजु पुनियां, फारूक चौहान, योगेष ढाका, मुस्ताक पिथिसर, आसिफ निर्वाण, विनोद खटीक, रजमान खां, विनोद गहलोत, सुर्य प्रकाष, अजय दाघीच, मोहन टेलर, हेमंत सिहाग, अजीज खां, शाहरूख खान, समीउल्लाह गौरी, वाहिद खान, आबिद जाबासरिया, सोयल डीके, विनोद शर्मा, जाफर खां जोईया सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहे।

भामाशाह सोहनलाल रणवा ने रायपुरिया में प्रोत्साहन राशि वितरित की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण क्षेत्र में भामाशाह सोहनलाल रणवा जो की ग्राम रामपुरा बास के निवासी है वे सेना में एजुकेशन इंस्ट्रक्टर के पद से सेवानिवृत हैं गांव रायपुरिया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित भामाशाह सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह में उन्होंने विद्यालय में प्रथम स्थान पर रहे बालक एवं बालिकाओं को 500 500 रुपए एवं प्रतीक चिन्ह देखकर सम्मानित किया जिसमें परी सेन प्रतिभा सेन आईना निहारिका विकास कार्तिकेय कृष्णा भूपेश खुशी अशोक कुमार अंतिम सुबद अंकिता आदि छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

दिव्यांग बालकों में दीपक सांवा नितेश पूजा सुरेंद्र आदि को 1100 —1100 रुपए एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।अपने सास ससुर की सेवा करने पर मनोहरी देवी पत्नी हरलाल मेघवाल को 11000 रुपए ,प्रभुदयाल शास्त्री को संयुक्त परिवार को बढ़ावा देने के लिए 5000 रुपए, अपनी बहन के बच्चों को पढ़ाने के कारण मांगीलाल को 5000 रुपए की राशि प्रदान की। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुरिया को विकास हेतु 11000 रुपए की राशि एवं 50000 रुपए की राशि के व्यायाम उपकरण भेंट किए इस अवसर पर रायपुरिया पी ई ई ओ संतोष पारीक, सरपंच बिहारी लाल बरोड़ ,पोटी स्कूल की प्रधानाचार्य सुलोचना सिहाग ,स्टाफ सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।संचालन सुभाष शर्मा किया।

आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई आयोजित

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में बारिश को दौर दुबारा शुरू हो गया है। सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित राजकीय कार्यालयों, विद्यालयों, आँगनबाड़ी केन्द्रों व चिकित्सा संस्थानों के भवनों की स्थिति का पुनः जायजा लें। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि भारी बारिश के कारण कोई भी राजकीय भवन के गिरने की घटना ना हो ये सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर ने कहा कि जिस भी राजकीय भवन को जर्जर घोषित किया जा चुका है उसे तुरंत ध्वस्त कराने की कार्रवाई अमल में लाई जाए। साथ ही जहां मरम्मत कराने की आवश्यकता हो वहां बिना किसी देरी के मरम्मत कार्य करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सिटी डिस्पेंसरी का भवन जर्जर हालत में होने पर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के लिए भवन चिह्नित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

जालोर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर आमजन के लिए उपलब्ध दवाईयों की उपलब्धता, जांच सुविधाएँ, टीकाकरण

सुविधा, संस्थागत प्रसव सुविधा, स्कूलों में पिंक एवं ब्लू टेबलेट वितरण, लाडो प्रोत्साहन योजना कि वर्तमान प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा मानसून के दौरान संभावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु नियमित रूप से एंटी लार्वा एक्टिविटी करवाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारियों से जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत एफआर, डीआर, ईआर, सीलू जैसला भाटकी परियोजना की वर्तमान प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए हर घर जल योजना के तहत अधिक से अधिक संख्या में पात्र नागरिकों को एफएचटीसी कनेक्शन देने एवं पेयजल उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

मक्कासर में जलभराव से विस्थापित 13 परिवारों के लिए अस्थायी आश्रयस्थल का जिला परिषद् सीईओ ने किया निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में अतिवृष्टि के कारण मक्कासर गांव में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके चलते 13 परिवारों के कुल 52 सदस्य अस्थायी रूप से विस्थापित हुए हैं। जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत भवन, राजकीय प्राथमिक विद्यालय और धर्मशाला में उनके ठहरने की व्यवस्था की है। मंगलवार को जिला परिषद सीईओ ओपी बिश्नोई ने शेल्टर कैंपों का निरीक्षण किया और बताया कि सभी विस्थापित परिवारों के लिए भोजन और रहने की उचित व्यवस्था की गई है। साथ ही रोशनी की व्यवस्था भी की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम को सदस्यों की स्वास्थ्य जांच के लिए निर्देशित किया गया है, ताकि किसी को भी चिकित्सकीय परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों को महात्मा गांधी नरेगा के तहत शीघ्र रोजगार उपलब्ध कराने की अनुशंसा भी की गई है। सीईओ ने निरीक्षण के दौरान कहा कि जलभराव अथवा निचले क्षेत्रों में पानी की अधिक

आवक से किसी भी व्यक्ति को कठिनाई न हो, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी तरह चौकस और अलर्ट है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएगी और प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

हो जाइए तैयार, लूट मुबारक के लिए

कनिका मान ने दिया निमंत्रण!

पंजाबी और टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री कनिका मान ने सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर एक खास पोस्ट की, जिसने उनके फैंस का जोश हाई है। ये पोस्ट उनकी आने वाली फिल्म लूट मुबारक का आधिकारिक पोस्टर है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया है। कनिका मान ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लूट मुबारक फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें फिल्म का नाम गुरमुखी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा हुआ है। पोस्टर में मुख्य कलाकार हरीश वर्मा और कनिका मान के नाम भी नजर आ रहे हैं। साथ ही फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में ड्रामा, बदला और प्यार देखने को मिलेगा। कनिका मान ने अपने कैप्शन में लिखा है, वाहेगुरु जी जब हमारे दिल उन लोगों के लिए दुखते हैं जो विपदा का सामना कर रहे हैं, तब हम अपनी नई फिल्म एक छोटे से संदेश के रूप में साझा करते हैं, जो बताती है कि कहानियां सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं होतीं, बल्कि वे हमें जोड़ती हैं, हमें ताकत देती हैं और दुखों को कम करने में मदद करती हैं। सोशल मीडिया पर उनके फैंस इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और आने वाली फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। बता दें कि कनिका हाल ही में पंजाबी फिल्म जॉम्बीलैंड में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों समेत कई कलाकार अहम किरदार में हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया था। वहीं इसे नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस के बैनर तले नीरज रुहिल और सुभव शर्मा द्वारा निर्मित किया गया।

डूमस्क्रॉलिंग पर परिणीति ने जताई चिंता

तकनीक और सोशल मीडिया के तमाम फायदे हैं, मगर इसके अपने नुकसान भी हैं। डूमस्क्रॉलिंग यानी सोशल मीडिया पर लगातार नेगेटिव कंटेंट और खबरों के स्क्रॉलिंग की आदत। फिर चाहें वह हमारी चिंता और तनाव की वजह बन रही हो। परिणीति ने हाल ही में इस आदत पर चिंता जताते हुए पोस्ट शेयर किया है। परिणीति चोपड़ा ने आज को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक स्टोरी शेयर की है। इसमें लिखा है, एक दिन हम डूमस्क्रॉलिंग को उसी नजर से देखेंगे जैसे आज सिगरेट को देखते हैं। लत लगाने वाला, विनाशकारी, और ऐसा कुछ जिस पर हमें यकीन ही नहीं होता कि हमने कभी इतनी लापरवाही से ऐसा किया था। परिणीति चोपड़ा जल्द मां बनने वाली हैं। वे और राघव चड्ढा अपनी पहली संतान का स्वागत करने को तैयार हैं। हाल ही में परी ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की। बता दें कि राघव चड्ढा और परिणीति ने साल 2023 में शादी रचाई।

क्या हिंदुओं के दर्द की बात करना गुनाह है?

विवेक अग्निहोत्री का ममता बनर्जी से सवाल

बॉलीवुड के चर्चित फिल्ममेकर और नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी नई फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को लेकर राजनीति गर्मा गई है।

1946 के डायरेक्ट एक्शन डे और उसके बाद हुए नोआखाली नरसंहार की सच्ची घटनाओं पर आधारित यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है, लेकिन इससे पहले ही फिल्म का विरोध हो रहा है और बैन की मांग उठने लगी है।

इस बीच फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से एक वीडियो मैसेज के जरिए खास अपील की है। उन्होंने आग्रह किया है कि राज्य सरकार फिल्म पर बैन न लगाए और इसके शांतिपूर्ण स्क्रीनिंग की अनुमति दे। अपने वीडियो संदेश में विवेक अग्निहोत्री ने कहा, माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जी, ये वीडियो आपके लिए है। हमारी फिल्म द बंगाल फाइल्स विश्व भर में रिलीज हो रही है, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में इसे बैन कर दिया जाएगा। थिएटर मालिक मुझसे कह रहे हैं कि उन पर इतना राजनीतिक दबाव है कि वे फिल्म दिखाने से डर रहे हैं। इसी दबाव के कारण 16 अगस्त को फिल्म का ट्रेलर भी सिनेमाघरों में नहीं दिखाया गया। हमने एक होटल में ट्रेलर दिखाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे रोक दिया। अग्निहोत्री ने ममता बनर्जी से आग्रह करते हुए कहा, आपने भारत के संविधान की शपथ ली है और हर नागरिक के विचारों को व्यक्त करने के अधिकार की रक्षा करने की भी शपथ ली है। इस फिल्म को भारतीय सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) की मंजूरी मिल चुकी है, जो कि एक सरकारी तंत्र का हिस्सा है।

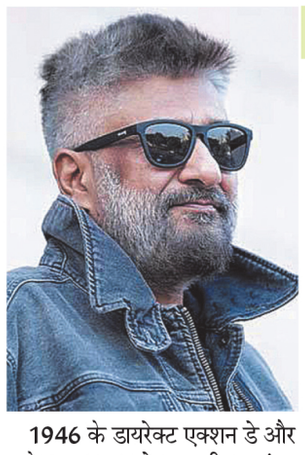

इसलिए ये आपका संवैधानिक दायित्व है कि इस फिल्म को शांतिपूर्वक रिलीज करने की जिम्मेदारी लें। फिल्म के विषय को लेकर अग्निहोत्री ने कहा कि यह 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली नरसंहार पर आधारित है, जो भारतीय इतिहास का एक बेहद दर्दनाक अध्याय है। उन्होंने कहा कि अगर नोआखाली जैसी घटना नहीं हुई होती तो शायद भारत का विभाजन भी नहीं होता। उन्होंने सवाल उठाया कि, क्या कोई यहूदी बच्चा है, जो होलोकॉस्ट के बारे में नहीं जानता?

क्या कोई अश्वेत बच्चा है, जो गुलामी के इतिहास से अनजान है? क्या कोई जापानी बच्चा है, जिसे हिरोशिमा और नागासाकी के परमाणु हमलों की जानकारी नहीं? तो, फिर हमारी पीढ़ी को नोआखाली और डायरेक्ट एक्शन डे के बारे में क्यों नहीं पता? विवेक ने बंगाल की सांस्कृतिक और क्रांतिकारी विरासत को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, बंगाल सिर्फ दर्द का नाम नहीं है। यहीं से भारत का पुनर्जागरण शुरू हुआ। स्वामी विवेकानंद, टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, सुभाष चंद्र बोसज सब यहीं से निकले। लेकिन, ये भी सच है कि बंगाल ही एकमात्र राज्य है, जिसका दो बार विभाजन हुआ, 1905 और 1947 में। फिल्म के संभावित विरोध पर उन्होंने कहा कि द बंगाल फाइल्स किसी धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, यह फिल्म उनके खिलाफ है, जो इंसानियत के खिलाफ खड़े हुए और आज भी झूठ को जिंदा रखना चाहते हैं।

अगर आप एक सच्ची भारतीय और बंगाली की तरह सोचेंगी, तो इस फिल्म को बैन नहीं बल्कि सैल्यूट करेंगी। अग्निहोत्री ने ममता बनर्जी से अपील करते हुए कहा कि, अगर आज हम डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली की कहानी नहीं सुनाएंगे, तो कब सुनाएंगे? अगर सत्य से डर लगता है, तो आईना नहीं तोड़ा जाता। आईना तोड़ने से चेहरा नहीं बदलता।

सोनाक्षी की सीरीज दहाड़ 2 का आना तय

सोनाक्षी सिन्हा ने 2023 की वेब सीरीज दहाड़ से अपना ओटीटी डेब्यू किया था। पुलिस अफसर अंजलि भाटी के किरदार में उनके अभिनय को खूब सराहा गया था, वहीं विजय वर्मा ने भी अपने शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता। अब इसका दूसरा सीजन दहाड़ 2 बनने जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... निर्देशक-लेखक रीमा कागती, जिन्होंने दुनियाभर में सराहना बटोर चुकी फिल्म सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव बनाई थी, अब इस वेब सीरीज के सीक्वल के साथ लौट रही हैं। इसके लिए उन्होंने एक बार फिर सोनाक्षी से हाथ मिलाया है। सोनाक्षी इस थ्रिलर सीरीज में वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं और एक बार फिर सख्त पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। हमेशा की तरह इस बार भी रीमा के साथ फिल्ममेकर जोया अख्तर जुड़ी हुई हैं। खबर है कि रीमा और जोया मिलकर इसकी स्क्रिप्ट तैयार कर रही

हॉलीवुड फिल्म ‘स्ट्रीट फाइटर’ की शूटिंग में व्यस्त हैं विद्युत जामवाल

बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अब अभिनेता ने अपनी हॉलीवुड फिल्म ‘स्ट्रीट फाइटर’ के कलाकारों के साथ कुछ तस्वीरें साझा की हैं। अपने इंस्टाग्राम पर विद्युत ने फिल्म के कलाकारों के साथ घूमने-फिरने की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए विद्युत ने कैप्शन में लिखा है, ‘योद्धाओं के साथ में मुझे अपने जैसे लोग मिल गए।’ तस्वीरें एक क्रूज की मालूम पड़ती हैं, जिस पर ये सभी कलाकार मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में विद्युत के साथ फिल्म के कलाकार एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटीनो, कैलिना लियांग, डेविड डस्टमलचियन, जेसन मोमोआ, रोमन रेंस, कोडी रोड्स, ऑरविल पेक, एंड्रयू शुल्ज और हिरूकी गोटो समेत कई कलाकार नजर आ रहे है। स्ट्रीट फाइटर एक गेम फ्रेंचाइजी है, जिसकी शुरुआत साल 1987 में हुई थी। फिल्म स्ट्रीट फाइटर का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है और कैपकॉम के सहयोग से लीजेंडरी पिक्चर्स द्वारा निर्मित है। इसके 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है। विद्युत जामवाल के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म ‘क्रैक’ में नजर आए थे। हालांकि, फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। विद्युत को अपने जबरदस्त एक्शन और मार्शल आर्ट्स को लेकर पहचाना जाता है।

मैं जैसा सोशल मीडिया पर था, असल में वैसा नहीं हूं

अहान पांडे अपनी पहली फिल्म सैयारा से स्टार बन गए। उनकी परफॉमस को काफी पसंद किया गया और फिल्म ने बॉक्स फिल्म में ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की। फिल्म के प्रमोशन के दौरान निर्देशक मोहित सूरी ने अहान को टिकटॉकर बताया था। अब अहान ने कहा... जब मैं इंस्टाग्राम पर सक्रिय था, तो उस पर मेरा व्यक्तित्व वैसा नहीं था जैसा मैं असल में था। यह वैसा था जैसा मुझे लगता था कि फिल्म बिरादरी का ध्यान आकर्षित करने के लिए मुझे बनना होगा, ताकि मुझे काम मिल सके। यह एक ऐसा व्यक्तित्व है जिसे मैंने अपनाया। सैयारा के अपने किरदार कृष के बारे में बात करते हुए अहान पांडे ने आगे कहा... यह ऐसा किरदार नहीं है जिसके बारे में मैंने सोचा था कि मैं करूंगा। मैं जो ऑडिशन देता था वह ज्यादा सॉफ्ट, मजेदार, एनर्जी और पॉजिटिविटी से भरपूर पड़ोस के लड़के जैसा होता था।

थामा में ड्रैकुला अवतार में दिखाई देंगे नवाजुद्दीन

वॉर्ड विनिंग एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी वैसे तो अब हालीवाड में शिफ्ट होने की तैयारियां कर रहे हैं, मगर उसमें अभी वक्त है। उससे पहले वे अपने इंडियन प्रोजेक्ट्स को कंप्लीट करने में जुटे हैं। उनकी अगली फिल्म थामा है।

इसके साथ ही उन्हें निर्माता बोनी कपूर ने फिल्म मॉम 2 भी ऑफर की है। ट्रेड सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। मॉम के पहले पार्ट में दिवंगत श्रीदेवी मेन रोल में थीं। उस फिल्म में नवाज एक खबरी जैसे किरदार में थे। उसका नाम दया शंकर कपूर उर्फ डीके था। अब बोनी मॉम 2 ला रहे हैं। प्रबल संभावना है कि उसमें भी नवाज का वही डीके वाला अवतार रिपीट किया जाएगा।

थामा के पहले पार्ट में कम होगा नवाज का रोल: सूत्रों के मुताबिक... नवाजुद्दीन थामा में एक ड्रैकुला का किरदार निभा रहे हैं। यह सिर्फ एक स्टैंड अलोन फिल्म नहीं, बल्कि स्त्री की तरह एक पूरी फ्रेंचाइज होगी। दरअसल थामा का जो पहला पार्ट है, उसमें नवाज के किरदार की लंबाई कम है। उसके बजाय जब उसका अगला यानी दूसरा पार्ट बनेगा तो उसमें नवाज के किरदार को ज्यादा स्पेस दिया जाएगा। उसी शर्त पर नवाज थामा से जुड़े। दिलचस्प डेवलपमेंट यह है कि जो पार्ट 2 है, उसमें सभी किरदारों के पुनर्जन्म को दिखाया जाएगा। साथ ही वहां उन सबकी बैक स्टोरी भी होगी। मेकर्स ने इस प्रोजेक्ट को बेहद गोपनीय रखा है।

नवाज ने ठुकराया था द फैमिली मैन का लीड रोल

सूत्रों ने आगे बताया... नवाज अब लंबे अर्से से हॉलीवुड शिफ्ट होना चाहते हैं। हालांकि वह काम अब तक पूरा नहीं हुआ है। जैसे जब द मार्शियन उनको ऑफर हुई थी तो तब वह कबीर खान की बजरंगी भाईजान में बिजी थे। उसके बाद भी वह कोशिशों में जुटे रहे। हॉलीवुड जाने के चक्कर में उन्होंने राज एंड डीके की फर्जी और द फैमिली मैन भी छोड़ी थी।

हॉलीवुड ऑब्सेशन को लेकर नवाज का मानना है कि हॉलीवुड में कलाकारों को अपनी मर्जी का काम करने की आजादी मिलती है.

साभार एजेंसी

यूएस ओपनः

क्वार्टर फाइनल में अनिसिमोवा, ओसाका ने गॉफ को चौंकाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन में अमांडा अनिसिमोवा ने बीट्रिज हद्दाद माइया को सीधे सेटों में 6-0, 6-3 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अनिसिमोवा ने पहले ही गेम में हद्दाद माइया की सर्विस तोड़ी और उसके बाद उनका खेल और तेज हो गया। उन्होंने हद्दाद माइया को कोई मौका नहीं दिया। बेहतरीन सर्विस करते हुए कोर्ट पर गहरी और सटीक टू-हैंडेड बैकहैंड शॉट्स लगाए। दूसरा सेट ज्यादा प्रतिस्पर्धी था। अनिसिमोवा को अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ यूएस ओपन प्रदर्शन को जारी रखने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हद्दाद माइया की सर्विस फिर से शुरुआती गेम में टूटी, लेकिन लगातार सात गेम गंवाने के बाद उन्होंने एक ब्रेक हासिल किया। हालांकि, अनिसिमोवा ने तुरंत वापसी की, चौथे गेम में ब्रेक प्वाइंट से बचते हुए गेम को संभाला और हद्दाद माइया के धैर्य के बावजूद, आखिरी गेम में फिर ब्रेक लेकर जीत सुनिश्चित की। साल 2019 में रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल में पहुंची चुकीं अनिसिमोवा ने हद्दाद माइया पर जीत के साथ अपना ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 42-22 कर लिया। इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 35-14 तक सुधार लिया।

बुब्लिक को हराकर लगातार 8वीं बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में सिनर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इटली के जैनिक सिनर ने अलेक्जेंडर बुब्लिक को शिकस्त देकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली, जहां उनका सामना हमवतन लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। सिनर लगातार आठवें ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वर्ल्ड नंबर 1 और गत यूएस ओपन चैंपियन सिनर ने बुब्लिक के खिलाफ 6-1, 6-1, 6-1 से जीत हासिल की। ??यह मुकाबला 81 मिनट तक चला। इस मुकाबले में बुब्लिक ने 13 डबल फॉल्ट किए। उन्होंने कुल 31 अनफोर्स्ड एरर किए।

24 वर्षीय सिनर लगातार आठवें ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं। पिछली बार सिनर को इस चरण से पहले 2023 यूएस ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्हें चौथे राउंड में अलेक्जेंडर ज्वेरेव के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। सिनर का सामना 10वीं वरीयता प्राप्त म्युसेटी से होगा। पहली बार किसी प्रमुख टूर्नामेंट में सिर्फ इतालवी पुरुषों का एकल क्वार्टर फाइनल होगा। वर्ल्ड नंबर 1 सिनर इस भिड़ंत में 2-0 के एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ उतरेंगे। जैनिक सिनर ने मुकाबले से पहले कहा, यह देखना बहुत अच्छा है। इतालवी टेनिस इस समय शानदार फॉर्म में है। हमारे पास इतने सारे खिलाड़ी हैं, इतनी सारी अलग-अलग खेल शैलियां हैं। उन्होंने कहा, लोरेंजो मुसेट्टी शायद हमारे सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। मैं इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एक इतालवी खिलाड़ी के नजरिए से, सेमीफाइनल में एक इतालवी खिलाड़ी का होना यकीनन बहुत अच्छी बात है।

राशिद खान ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

➲ टी20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। यूएई और अफगानिस्तान के बीच ट्राई सीरीज का तीसरा मुकाबला शारजाह क्रिकेट ग्राउंड में बीते 1 सितंबर को खेला गया। इस मैच को अफगानिस्तान ने 38 रन से अपने नाम कर लिया। अफगानिस्तान के कप्तान और स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने यूएई के खिलाफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पीछे छोड़ दिया। 26 साल के राशिद खान ने यूएई के खिलाफ 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने एथन डीसूजा आसिफ खान और ध्रुव पराशर का शिकार किया। इसी के साथ राशिद खान टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 98 मैचों में 165 विकेट ले लिए हैं। राशिद खान ने न्यूजीलैंड के दिग्गज टिम साउदी को पीछे छोड़ यह बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

राशिद खान- 165
टिम साउदी- 164
ईश सोढ़ी- 150
शाकिब अल हसन- 149
मुस्ताफिजुर रहमान- 142

मिचेल स्टार्क ने टी20 विश्व कप से पहले

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ब्रिसबेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। 33 वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए उन्हें तैयार रहना है। कमिंस को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद से आराम दिया गया है। उनकी कमर में भी दर्द है इसलिए नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला की तैयारी के मद्देनजर उन्हें आराम दिया है। स्टार्क एशेज, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला और 2027 वनडे विश्व कप के लिये पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया। स्टार्क ने कहा, 'टी20 से संन्यास लेने का कारण तरोताजा और फिट बने रहना है। इससे गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाएगा। आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, 'मिचेल को अपने टी20 करियर पर गर्व होना चाहिए। वह विश्व कप 2021 विजेता टीम का प्रमुख सदस्य था। अच्छी बात यह है कि वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलता रहेगा।

पाकिस्तान के पावर-हिटर आसिफ अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तानी बल्लेबाज आसिफ अली ने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। पाकिस्तान के मध्यक्रम बल्लेबाज आसिफ अली ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। क्रिकेट के मैदान पर अपने मुल्क की सेवा करना मेरे लिए सबसे गर्व की बात है। आसिफ अली ने समर्थकों का आभार जताते हुए कहा, अपने फैंस, साथियों और कोच का शुक्रिया, जिन्होंने हर उतार-चढ़ाव में मुझे प्यार, भरोसा और समर्थन दिया। अ

पने परिवार और दोस्तों का भी धन्यवाद, जो मेरे साथ खुशियों में और मुश्किल घड़ियों में खड़े रहे, खासकर विश्व कप के दौरान मेरी प्यारी बेटी के निधन जैसी त्रासदी में, उनकी मजबूती ने मुझे आगे बढ़ने की ताकत दी। उन्होंने लिखा, मैं अपार कृतज्ञता के साथ संन्यास लेता हूं। मैं आगे भी घरेलू और दुनियाभर की लीग क्रिकेट खेलकर अपने खेल के प्रति जुनून को साझा करता रहूंगा। आसिफ अली ने अप्रैल 2018 में अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पाकिस्तान की ओर से 21 वनडे मुकाबलों में 25.46 की औसत के साथ 382 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन अर्धशतक देखने को मिले। वहीं, 58 टी20 मुकाबलों में दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 15.18 की औसत के साथ 577 रन अपने खाते में जुटाए। उनका इस्तेमाल मुख्य रूप से एक फिनिशर और पावर-हिटर के रूप में किया गया।

क्रेग मैकमिलन बने न्यूजीलैंड महिला टीम के फुल टाइम असिस्टेंट कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेग मैकमिलन को न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम का फुल टाइम असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया है। वह न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी और बल्लेबाजी कोच, बेन सॉयर और डीन ब्राउनली के साथ व्हाइट फर्न्स के बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण विभागों का जिम्मा संभालेंगे। उनकी नियुक्ति आधिकारिक तौर पर इसी सप्ताह से होगी। इस भूमिका के तहत मैकमिलन अपना पूरा समय न्यूजीलैंड महिला टीम और विमेंस प्लेयर्स ऑफ इंटरेस्ट कार्यक्रम को समर्पित करेंगे। इस बीच वह कमेंट्री और अन्य कोचिंग प्रतिबद्धताओं से कुछ समय के लिए दूर रहेंगे। क्रेग इससे ठीक एक साल पहले पार्ट-टाइम कॉन्ट्रैक्ट पर टीम से जुड़े थे। मैकमिलन 2024 में यूएई में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप खिताबी जीत के दौरान टीम के साथ थे।

मैकमिलन यह जिम्मेदारी पूर्णकालिक रूप से संभालने पर बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, व्हाइट फर्न्स के साथ इस भूमिका में होना मेरे लिए बेहद खास है। महिला क्रिकेट लगातार मजबूत हो रहा है। मैं हमारी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ काम करते रहने के लिए उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, पिछला साल बहुत जल्दी बीत गया। मुझे उस टीम का हिस्सा होने का हर पल बहुत अच्छा लगा, जो लगातार बेहतर होती जा रही है, एक-दूसरे को चुनौती देती है और विश्व मंच पर खास प्रदर्शन करती है। मैकमिलन ने बताया कि विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप को लेकर न्यूजीलैंड की तैयारियां जोरों पर हैं। व्हाइट फर्न्स ने आगामी विश्व कप की तैयारी के लिए अगस्त में चेन्नई में ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया, ताकि स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों के अनुरूप ढल सकें। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है।

1 अक्टूबर को टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। न्यूजीलैंड का अगला मुकाबला 6 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका से होगा। इसके बाद टीम 10 अक्टूबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड की विमेंस वर्ल्ड कप टीम की घोषणा 10 सितंबर को होगी।

यूएई के कप्तान ने तोड़ा रोहित शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड, टी-20 इंटरनेशनल में जड़े सबसे ज्यादा छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज कप्तान रोहित शर्मा का एक बड़ा टी20 इंटरनेशनल रिकॉर्ड टूट गया है. उनके नाम इस फॉर्मेट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड था. जिसे यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम ने तोड़ दिया है. रोहित के नाम टी20 इंटरनेशनल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा 105 छक्के लगाने का रिकॉर्ड था. लेकिन, अब वसीम ने कल खेले गए अफगानिस्तान के खिलाफ एक टी20 मैच में बतौर कप्तान 110 छक्के जडने का रिकॉर्ड बना लिया. उन्होंने अफगानी टीम के खिलाफ 6 छक्के लगाकर यह मुकाम हासिल किया. मुहम्मद वसीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ 37 गेंदों में 67 रन की पारी खेली. लेकिन बावजूद उसके टीम को 38 रन से हार झेलनी पडी.

वसीम की कप्तानी पारी टीम के नहीं आई काम

यूएई में खेली जा रही टी20 ट्राई सीरीज के तीसरे मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को 38 रन से हराया. यूएई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. अफगान टीम ने बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 4 विकेट खोकर 188 लगाए. टीम के लिए सेदिकुल्लाह अटल (54 रन) और इब्राहिम जादरान (63 रन) की अर्धशतकीय पारी खेली. लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम सिर्फ 150 रन पर ही सिमट गई. टीम की ओर से कप्तान मुहम्मद वसीम ने 67 रन और राहुल चोपड़ा ने नाबाद 52 रन बनाए. अफनिस्तान के लिए राशिद खान और शरफुद्दीन अशरफ ने 3-3 विकेट झटके.

अगले साल भारत में होगा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप

➲ बीएआई ने भव्य आयोजन का किया वादा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) विश्व चैंपियनशिप के लिए काफी उत्सुक है और उसने इस टूर्नामेंट की उत्कृष्टता और भव्यता को आगे बढ़ाने का वादा किया है। भारत को अगले साल होने वाले बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। यह टूर्नामेंट 2026 में दिल्ली में आयोजित होगा। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) इसके लिए काफी उत्सुक है और उसने इस टूर्नामेंट की उत्कृष्टता और भव्यता को आगे बढ़ाने का वादा किया है। यह दूसरी बार होगा जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2009 में हैदराबाद में विश्व चैंपियनशिप का आयोजन हुआ था।

आठ साल बाद एशिया में होगा ये टूर्नामेंट

दिल्ली की मेजबानी से टूर्नामेंट की आठ साल के बाद एशिया में वापसी होगी। चीन के नानजिंग ने 2018 सत्र की मेजबानी की थी। भारत टूर्नामेंट में सबसे निरंतरता के साथ पदक जीतने वाले वाले देशों में से एक है। भारत ने 1983 से अब तक 15 पदक जीते है जिसमें 2011 सत्र के बाद से हर आयोजन में कम से कम एक पदक जीतना शामिल है। बीएआई के मानद सचिव संजय मिश्रा ने कहा, हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि पेरिस ने जो उत्कृष्टता और भव्यता दखाई है भारत उन मानकों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए अपना शत प्रतिशप प्रयास करेगा। हम वैश्विक बैडमिंटन परिवार का दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। यह घोषणा पेरिस में 2025 चैंपियनशिप के समापन समारोह के दौरान की गई। बीडब्ल्यूएफ अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वदत्रकुल फेडरेशन फ्रैंकाइस डी बैडमिंटन के अध्यक्ष फ्रैंक लॉरेंट और बीएआई के मानद महासचिव संजय मिश्रा के बीच कार्यभार हस्तांतरण हुआ।

बीएआई ने कहा, भारत के लिए दोबारा चैंपियनशिप की मेजबानी करना इस खेल की बड़ी ताकत और वैश्विक बैडमिंटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थल के रूप में मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

ट्रंप के व्यापार सलाहकार नवारो ने मोदी, पुतिन और शी के घनिष्ठ होते संबंधों को चिंताजनक बताया

» न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन।, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच घनिष्ठता को चिंताजनक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को रूस के बजाय अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ खड़ा होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी सोमवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर तीनों नेताओं द्वारा घनिष्ठता प्रदर्शित किए जाने के बाद आई है। मोदी, शी और पुतिन के बीच एकजुटता के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर नवारो ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, यह चिंताजनक है, बहुत चिंताजनक है। ट्रंप प्रशासन के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता मोदी का दो सबसे बड़े तानाशाहों, पुतिन और शी चिनफिंग, के साथ देखा जाना बेहद शर्म की बात है। इसका कोई मतलब नहीं है।

नवारो की ये टिप्पणियां और मोदी, पुतिन व शी चिनफिंग के बीच दिखी घनिष्ठता ऐसे समय में सामने आई है, जब भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले दो दशकों के सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। व्यापार और शुल्क (टैरिफ) पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रिश्तों में गिरावट आने के बाद नवारो पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। नवारो ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में क्या है, खासकर तब जब भारत पिछले कई दशकों से चीन के साथ कभी शीत युद्ध तो कभी सीधे संघर्ष की स्थिति में रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय नेता यह समझेंगे कि उन्हें रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे, यूरोप और यूक्रेन के साथ होना चाहिए, और उन्हें रूस से तेल खरीदना भी बंद करना चाहिए। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाया है। इससे भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और विवेकहीन बताया है। रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए भारत का कहना है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की परिस्थितियों से प्रेरित है। यूक्रेन पर हमले के बाद, जब से पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाए हैं, तब से रूस भारत का शीर्ष ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बन गया है। नवारो ने कहा, भारत जनसंख्या के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इतिहास पर नजर डालें तो दशकों से भारत और चीन के बीच शीत युद्ध जारी रहा है। उन्होंने कहा कि बीजिंग (चीन) ने पाकिस्तान की सेना को धन मुहैया कराया उसे परमाणु हथियार विकसित करने में मदद की है। नवारो ने कहा, चीन ने बार-बार भारत पर खासकर अक्साई चिन में हमला किया है। चीन ने वास्तव में भारत की जमीन पर कब्जा किया और अब भी उस पर कब्जा जमाए हुए है। अब चीनी नौसेना हिंद महासागर के अंदर तक गश्त कर रही है।

सैन्य परेड देखने के लिए चीन रवाना हुए किम जोंग उन

सियोल (दक्षिण कोरिया)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन मंगलवार को ट्रेन से बीजिंग के लिए रवाना हो गए, जहां वह चीन और रूस के अपने समकक्षों के साथ सैन्य परेड में हिस्सा लेंगे। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इस बारे में जानकारी दी। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि इस सैन्य परेड से वे अमेरिका के विरुद्ध अपनी त्रिपक्षीय एकता प्रदर्शित करेंगे। किम और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उन 26 विश्व नेताओं में शामिल हैं जो बुधवार को बीजिंग में आयोजित होने वाले विशाल सैन्य परेड को देखने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शामिल होंगे। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति और जापानी आक्रामकता के विरुद्ध चीन के प्रतिरोध की 80वीं वर्षगांठ पर हो रही है। यह ऐसा आयोजन होगा जिसमें किम अपने 14 साल के शासन के दौरान किसी प्रमुख बहुपक्षीय कार्यक्रम में पहली बार शिरकत करेंगे। साथ ही, यह पहला अवसर होगा जब अमेरिका को चुनौती देने वाले देशों के नेता किम, शी और पुतिन एक ही स्थान पर साथ नजर आएंगे। तीनों देशों में से किसी ने भी इन तीनों नेताओं की निजी त्रिपक्षीय बैठक की पुष्टि नहीं की है।

कड़ी निगरानी में आयोजित हो रही सैन्य परेड में शक्ति प्रदर्शन करेगा चीन

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में बुधवार को होने वाली भव्य सैन्य परेड में देश के मिसाइल, लड़ाकू विमान और अन्य सैन्य उपकरण पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे। परेड में सैनिक राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने कदम-से-कदम मिलाकर मार्च करेंगे। शी चिनफिंग लंबे समय से सत्ता पर काबिज कम्युनिस्ट पार्टी के नेता हैं और केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में सेना के भी मुखिया हैं। शी द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित होने वाली इस परेड में भाषण देंगे। परेड में 24 से अधिक विदेशी नेता शामिल होंगे, जो बीजिंग सरकार के साथ संबंध बनाए रखने या सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। परेड में कई हथियार पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाए जाएंगे। चीनी सैन्य अधिकारियों ने कहा है कि परेड में हथियारों और उपकरणों का बड़ा जखीरा पहली बार जनता के सामने पेश किया जा रहा है। इनमें जमीन, समुद्र और वायु से छोड़े जाने वाले रणनीतिक हथियार, उन्नत सटीक युद्ध उपकरण और ड्रोन शामिल हैं। युद्धक विमान और हेलिकॉप्टर आकाश में बेड़े के रूप में उड़ान भरेंगे। यह चीन में 2019 के बाद पहली प्रमुख सैन्य परेड है।

अमेरिकी चुनौतियों के बीच शी और पुतिन ने पुराने मित्र वाले संबंधों की पुष्टि की

बीजिंग, (भाषा)। चीन के नेता शी चिनफिंग ने एक पुराने मित्र के रूप में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत किया और दोनों नेताओं के बीच मंगलवार को बैठकों का सिलसिला शुरू हुआ। ये बैठकें ऐसे समय में हो रही हैं जब दोनों देशों को अमेरिका से विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में, खासकर 2022 की शुरुआत में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से चीन और रूस के बीच संबंध और गहरे हुए हैं। पुतिन ने शी को प्रिय मित्र कहकर संबोधित किया और कहा कि चीन के साथ रूस के संबंध अभूतपूर्व रूप से उच्च स्तर पर हैं। औपचारिक वार्ता के बाद उनकी अपने कुछ शीर्ष सहयोगियों के साथ मिलकर चाय पर एक और बैठक करने की योजना है। यह वार्ता चीनी शहर तियानजिन में दोनों नेताओं के शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के एक दिन बाद और द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बीजिंग में आयोजित एक भव्य चीनी सैन्य परेड से एक दिन पहले हुई है। सोवियत संघ एशिया में युद्ध के अधिकतर समय तटस्थ रहा, लेकिन 1930 के दशक में आक्रमणकारी जापानी सेना के खिलाफ शुरुआती लड़ाई में उसने चीन की सहायता की। उसने द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा भी की और जापान के कब्जे वाले पूर्वोत्तर चीन में सेना भेजी। पुतिन ने कहा, हम तब भी साथ थे, अब भी साथ हैं। चीन का कहना है कि वह यूक्रेन युद्ध में तटस्थ है लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद व्यापार जारी रखकर उसने रूस को आर्थिक जीवनदान दिया। उसकी कुछ कंपनियों पर सैन्य उद्योग को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। पुतिन और शी ने अपनी वार्ता से पहले मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के साथ त्रिपक्षीय बैठक की। घास के मैदानों और खनिज खदानों से संपन्न मंगोलिया चीन एवं रूस के बीच स्थित है। पुतिन ने अपने वक्तव्य की शुरुआत में कहा कि तीनों देश अच्छे पड़ोसी हैं और संबंधों को विकसित करने में उनकी साझा रुचि है। उन्होंने कहा, हम तीनों देशों में बहुत कुछ समान है। पुतिन ने 2024 में मंगोलिया की आधिकारिक यात्रा की थी जहां मंगोलिया सरकार ने यूक्रेन पर आक्रमण से जुड़े कथित युद्ध अपराधों के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के वारंट पर पुतिन को गिरफ्तार किए जाने की अपीलों को नजरअंदाज कर दिया था।

भारत के मूल्य रूस के बजाय हमारे और चीन के अधिक करीबः वित्त मंत्री

भारत, अमेरिका इस मुद्दे को सुलझा लेंगे : स्कॉट बेसेन्ट

» न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, भाषा।

भारत और अमेरिका के बीच शुल्क को लेकर जारी तनातनी के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा है कि अंततः ये दो महान देश इस मुद्दे को सुलझा लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के मूल्य रूस के बजाय हमारे और चीन के अधिक करीब हैं। फॉक्स न्यूज़ को दिए साक्षात्कार में बेसेन्ट ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को व्यापक तौर पर प्रदर्शनात्मक करार दिया। यह बयान तब आया जब चीन के तियानजिन शहर में रविवार और सोमवार को एससीओ का वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ। बेसेन्ट ने सोमवार को कहा, यह एक पुराना आयोजन है, जिसे शंघाई सहयोग संगठन कहा जाता है, और मुझे लगता है कि यह व्यापक रूप से एक प्रदर्शनात्मक आयोजन है। उन्होंने कहा, आखिरकार, भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला लोकतंत्र है। उनके मूल्य रूस के बजाय हमारे और चीन के अधिक करीब हैं। बेसेन्ट ने आगे कहा, मुझे लगता है कि अंततः ये दो महान देश (भारत और अमेरिका) इस मुद्दे को सुलझा लेंगे। लेकिन रूस से तेल खरीदने और फिर उसे पुनः बेचने के मामले में भारतीयों ने अच्छा व्यवहार नहीं किया है। इससे यूक्रेन में रूस के युद्ध प्रयास को वित्तीय समर्थन मिला है। भारत ने रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए कहा है कि उसकी ऊर्जा आवश्यकताएं राष्ट्रीय हितों और बाज़ार की स्थिति पर आधारित हैं।

फॉक्स न्यूज़ के अनुसार, अमेरिका-भारत व्यापार वार्ताओं में धीमी प्रगति को भी व्हाइट हाउस द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने के एक कारण के रूप में देखा जा रहा है। बेसेन्ट की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीद के चलते भारत पर 50 प्रतिशत तक

के शुल्क लगाए हैं। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और अकारण बताया है। उन्होंने यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान हुई द्विपक्षीय बैठकों से जुड़े सवालों पर दी। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत-अमेरिका संबंध पिछले दो दशकों के सबसे निचले स्तर पर माने जा रहे हैं, जिसे ट्रंप प्रशासन की शुल्क नीति और नई दिल्ली के प्रति उसके लगातार आलोचनात्मक रुख ने और गहरा किया है। बेसेन्ट ने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन रूस पर प्रतिबंधों पर विचार कर रहा है और सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि सब कुछ सामने है। राष्ट्रपति पुतिन ने एंकोरेज में ऐतिहासिक बैठक के बाद, फोन कॉल के बाद, जब सोमवार को यूरोपीय नेता और राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की व्हाइट हाउस में थे जो संकेत दिए थे, उसके विपरीत कार्य किया है। वास्तव में, उन्होंने अत्यंत निंदनीय तरीके से बमबारी अभियान को और तेज कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ, सभी विकल्प खुले हैं, और हम इस सप्ताह उनका बहुत गंभीरता से अध्ययन करेंगे।

अफगानिस्तान : भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1400 से अधिक हुई

» जलालाबाद, भाषा।

अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1400 से ज्यादा हो गई है और 3,000 लोग घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या 1,400 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि 3,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जीवित बचे लोगों की तलाश में इलाके में बचाव दल का तलाश अभियान जारी है। रविवार देर रात को पर्वतीय क्षेत्र में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से गांव तबाह हो गए और लोग घंटों मलबे में फंसे रहे। इससे पहले, अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया, घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए ये आंकड़े बदल सकते हैं। उन्होंने बताया, भूकंप के कारण कुछ इलाकों में भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं, लेकिन उन्हें फिर से खोल दिया गया है और बाकी सड़कों को भी खोल दिया जाएगा ताकि उन इलाकों तक पहुंच आसान हो सके जहां पहुंचना मुश्किल था।

ज़्यादातर नुकसान कुनार प्रांत में हुआ है। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जा रहा है, और राहत एजेंसियों ने बताया कि उनकी टीम

ऊबड़-खाबड़ रास्तों और टूटी सड़कों के कारण सबसे सुनसान इलाकों तक पहुंचने के लिए पैदल यात्रा कर रही हैं। तालिबान सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की है। ब्रिटेन ने 10 लाख पाउंड (13 लाख अमेरिकी डॉलर) की आपात धनराशि देने का वादा किया है, जिसे तालिबान सरकार के बजाय मानवीय एजेंसियों के बीच बांटा जाएगा, हालांकि ब्रिटेन तालिबान सरकार को मान्यता नहीं देता। चीन सहित अन्य देशों ने भी आपदा राहत सहायता की पेशकश की है। वर्ष 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह तीसरा बड़ा भूकंप है, और अफगानिस्तान के लिए यह नवीनतम संकट है, जो सहायता निधि में भारी कटौती और कमजोर अर्थव्यवस्था से जूझ रहा है। वर्ल्ड विजन अफगानिस्तान सहायता एजेंसी के एडवोकेसी निदेशक मार्क काल्डर ने आगाह किया कि मदद की जरूरत वाले लोगों की संख्या 2,50,000 से अधिक हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

सूडान के दारफुर में विनाशकारी भूस्खलन से पूरा गांव तबाह एक हजार से अधिक लोगों की मौत

» काहिरा, भाषा।

सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में विनाशकारी भूस्खलन ने एक गांव को तबाह कर दिया, जिसमें कम से कम।,000 लोग मारे गए। यह अफ्रीकी देश के पिछले कुछ साल के इतिहास की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। इस क्षेत्र पर नियंत्रण रखने वाले एक विद्रोही समूह ने सोमवार देर रात यह जानकारी दी। सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने एक बयान में कहा कि यह त्रासदी अगस्त के अंत में कई दिनों की भारी बारिश के बाद मध्य दारफुर के मर्राह पर्वतों में स्थित तरासिन गांव में रविवार को हुई। बयान में कहा गया, प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि गांव के सभी निवासियों की मौत हो गई है, जिनकी संख्या एक हजार से ज्यादा होने का अनुमान है। केवल एक व्यक्ति ही बचा है।

समूह ने कहा कि गांव पूरी तरह से जमींदोज हो गया है , और शवों को निकालने में मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय सहायता समूहों से अपील की गई है। मांह माउंटेन्स समाचार संस्था द्वारा साझा किए गए फुटेज में पर्वत श्रृंखलाओं के बीच एक समतल क्षेत्र दिखाई दे रहा है, जहां लोगों का एक समूह खोजबीन कर रहा है। यह त्रासदी ऐसे समय में हुई है जब सूडान में विनाशकारी गृहयुद्ध छिड़ गया है जिसमें देश की सेना और अर्द्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच तनाव अप्रैल 2023 में राजधानी खार्तूम और देश के अन्य हिस्सों में खुली लड़ाई में बदल गया। सूडान की सेना और आरएसएफ के बीच गंभीर प्रतिबंधों और लड़ाई के कारण, मर्राह पर्वत सहित दारफुर क्षेत्र का अधिकतर भाग संयुक्त राष्ट्र और सहायता समूहों के लिए लगभग दुर्गम हो गया है।

वोंग की यात्रा के दौरान पांच समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे भारत, सिंगापुर

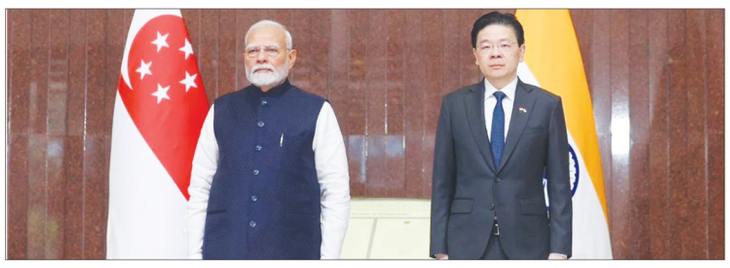

» नई दिल्ली, भाषा।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की मंगलवार से शुरू हो रही नई दिल्ली की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान भारत और सिंगापुर के बीच नौवहन, नागरिक उड्डयन और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री के रूप में वोंग की पहली भारत यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की संभावनाएं तलाशना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वोंग बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र में एक कंटेनर टर्मिनल का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करेंगे। पोर्ट ऑफ सिंगापुर अथॉरिटी (पीएसए इंटरनेशनल) ने इस परियोजना में एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। दोनों नेताओं द्वारा व्यापक बातचीत के बाद बंदरगाह परियोजना को समर्पित किए जाने की उम्मीद है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सिंगापुर भारत में निवेश का एक प्रमुख स्रोत है, जिसका 2014 से संचई निवेश 175 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें कोविड-19 के बाद की अवधि में 60 अरब अमेरिकी डॉलर शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को वोंग की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा, सिंगापुर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है, जिसमें हमारी एक्ट ईस्ट नीति भी शामिल है। उसने कहा कि भारत-सिंगापुर राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही वोंग की यात्रा दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। उसने कहा, यह यात्रा दोनों प्रधानमंत्रियों को हमारे मजबूत और बहुआयामी सहयोग की समीक्षा करने और भविष्य के सहयोग का मार्ग निर्धारित करने का अवसर प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों प्रधानमंत्री आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। वोंग के साथ उनकी पत्नी और कैबिनेट मंत्रियों व वरिष्ठ अधिकारियों सहित एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। प्रधानमंत्री वोंग राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर और कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों का भी वोंग से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। पिछले साल सितंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान भारत-सिंगापुर संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्ष पानी के नीचे बिछाई गई केबल के जरिए भारत से सिंगापुर तक सौर ऊर्जा निर्यात करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं, जिसका उपयोग डेटा कनेक्टिविटी के लिए भी किया जा सकता है। प्रस्तावित परियोजना पर किए गए व्यवहार्यता अध्ययन से पता चला है कि अंडमान क्षेत्र को देखते हुए केबल बिछाने में कुछ चुनौतियां हैं। सूत्रों ने बताया कि डेटा कनेक्टिविटी के प्रस्ताव के तहत, दोनों पक्षों ने गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक वित्तीय डेटा नियामक सैंडबॉक्स बनाया है।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग आज से भारत की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग मंगलवार से भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा शुरू करेंगे, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराना है। यहां उनके कार्यालय ने यह घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर वोंग की यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर हो रही है। उनके कार्यालय ने बताया कि यह यात्रा संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए सिंगापुर और भारत की परस्पर प्रतिबद्धता को भी दोहराती है। वोंग नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री के सम्मान में एक भोज का भी आयोजन करेंगे। बयान में कहा गया है कि वोंग स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात करेंगे। वोंग सिंगापुर के वित्त मंत्री भी हैं। वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट भी जाएंगे। प्रधानमंत्री वोंग नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में प्रवासी सिंगापुरवासियों से भी मुलाकात करेंगे। यह कार्यक्रम सिंगापुर-भारत राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ और सिंगापुर की स्वतंत्रता के 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा। वह बंद कमरे में एक गोलमेज बैठक में भारतीय व्यापारिक नेताओं के एक समूह से भी संवाद करेंगे।

गाजा में इजराइल के हमलों में कम से कम 31 लोगों की मौत

» दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी), भाषा।

इजराइल ने सोमवार को गाजा पट्टी में हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई। इनमें से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल का कहना है कि उसके निशाने पर केवल आतंकवादी हैं और वह नागरिकों की मौत के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराता है क्योंकि वह घनी आबादी वाले इलाकों में छिपकर काम करता है। वहीं, विशेषज्ञों एक संगठन ने आरोप लगाया कि इजराइल गाजा में नरसंहार कर रहा है।

गाजा सिटी और जबालिया शरणार्थी शिविर में धमाकों की आवाज सुनाई दी। निवासियों ने बताया कि विस्फोटक से लैस रोबोट्स ने कई इमारतें ध्वस्त कीं गाजा में अस्पतालों ने बताया कि सोमवार को इजराइली हमले में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और उनमें से आधे से ज्यादा महिलाएं व बच्चे हैं। गाजा सिटी में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि अब तक 63,557 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है और 1.6 लाख से अधिक घायल हुए हैं।

प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लहराए जिन पर कथित फासीवादी शासन को खत्म करने की मांग लिखी थी

अमेरिका में श्रमिक दिवस पर ट्रंप की नीतियों के खिलाफ कई शहरों में प्रदर्शन

» शिकागो, भाषा।

अमेरिका के कई शहरों में श्रमिक दिवस पर लोगों ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का सड़कों पर उतरकर विरोध किया और श्रमिकों को उचित वेतन दिए जाने की मांग की। शिकागो और न्यूयॉर्क में हुए प्रदर्शनों का आयोजन वन फेयर वेज नामक संगठन ने किया। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य अमेरिका में श्रमिकों की परेशानियों की ओर ध्यान खींचना था, जहां न्यूनतम संघीय मेहनताना 7.25 डॉलर प्रति घंटा है। राष्ट्रपति ट्रंप के न्यूयॉर्क स्थित पूर्व आवास के बाहर ट्रंप को अब जाना चाहिए के नारे गूंजे।

वहीं, शिकागो में एक अन्य ट्रंप टॉवर के बाहर प्रदर्शनकारियों ने नेशनल गार्ड नहीं चाहिए और उसे

जेल में डालो के नारे लगाए। वॉशिंगटन डी सी और सैनफ्रांसिस्को में भी बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। न्यूयॉर्क में लोग ट्रंप टॉवर के बाहर एकत्रित हुए जो वर्षों से राष्ट्रपति का निवास नहीं होने के बावजूद उनके धन-वैभव का प्रतीक और प्रदर्शनों का केंद्र बना हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लहराए जिन पर कथित फासीवादी शासन को खत्म करने की मांग लिखी थी। वॉशिंगटन में भी बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। उनके हाथों में आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट) का अतिक्रमण बंद करो लिखे पोस्टर और डीसी को मुक्त करो, नकाबपोश गुंडे नहीं चाहिए लिखा एक छाता था। पश्चिमी तट के विभिन्न शहरों में भी सैकड़ों लोग प्रवासियों और श्रमिकों के अधिकारों के समर्थन में जुटे। शिकागो में कई समूह एकजुट होकर प्रदर्शनों में शामिल हुए। उन्होंने भाषण सुने और नारे लगाए। इलिनॉयस राज्य में एवांस्टन शहर के मेयर डेनियल बिस ने शिकागो में जुटे लोगों से कहा, हम यहां इसलिए हैं क्योंकि हम पर हमला किया जा रहा है। हम यहां इसलिए हैं क्योंकि हमारे मूल्यों और हमारे लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है। हम यहां इसलिए हैं क्योंकि वे हमारी सड़कों पर सेना भेजने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने लोगों से श्रमिकों के समर्थन में खड़े होने की अपील की। शिकागो में एक मौके पर आयोवा नंबर प्लेट वाले वाहन से एक महिला बाहर निकली और डोनाल्ड ट्रंप अमर रहें के नारे लगाने लगी, जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों और महिला के बीच टकराव हुआ और प्रदर्शनकारियों ने भी तब तक ट्रंप विरोधी नारे लगाए, जब तक कि महिला वहां से कुछ मिनट बाद नहीं चली गई। सैन डिएगो से लेकर सिएटल तक पश्चिमी तट पर सैकड़ों लोग रैलियों में एकत्रित हुए और अरबपति का अधिग्रहण को रोकने का आह्वान किया।

वियतनाम ने आजादी के 80 वर्ष पूरे होने पर भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया

» हनोई, भाषा।

वियतनाम ने मंगलवार को अपने राष्ट्रीय दिवस पर दशकों की सबसे बड़ी सैन्य परेड आयोजित की जिसमें हजारों लोग राजधानी हनोई की सड़कों पर उमड़ पड़े। कई लोग इस भव्य परेड को देखने के लिए रातभर हनोई की सड़कों पर डेरा डाले रहे। यह परेड देश की आजादी के 80 वर्ष पूरे होने पर आयोजित की गई। परेड बा दिन्ह स्कायर में आयोजित की गई जहां क्रांतिकारी नेता हो ची मिन्ह ने दो सितंबर 1945 को फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता की घोषणा की थी। इसके तुरंत बाद संघर्ष फिर शुरू हो गया जब वियतनामी बलों ने पहले इंडोचाइना युद्ध में फ्रांस के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी जो 1954 में देश के दो हिस्सों- साम्यवादी उत्तर और अमेरिका समर्थित दक्षिण में विभाजित होने के साथ समाप्त हुई थी। इसके बाद वियतनाम युद्ध हुआ, जिसमें साम्यवादी उत्तर ने दक्षिण और उसके अमेरिकी सहयोगियों से संघर्ष किया।

यह युद्ध 30 अप्रैल 1975 को साम्यवादी बलों द्वारा सैगॉन पर कब्ज़ा करने और देश को एकीकृत करने के साथ समाप्त हुआ। वियतनाम के शीर्ष नेता एवं कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव तो लाम ने स्वतंत्रता की लड़ाई में

शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी और सत्तारूढ़ पार्टी के इस लक्ष्य को दोहराया कि 2045 तक वियतनाम एक शक्तिशाली, समृद्ध और सुखी राष्ट्र बनेगा। परेड में सैन्य टुकड़ियों ने मार्च किया और बख्तरबंद वाहनों व मिसाइल प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया। हेलिकॉप्टरों ने आकाश में विशाल वियतनामी झंडे लहराए। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 16,000 सैनिकों ने इस परेड में हिस्सा लिया। पहली बार, दक्षिणी वियतनाम के बंदरगाह शहर कैम रन्ह के तट से नौसैन्य परेड का भी आयोजन किया गया, जिसमें युद्धपोत, पनडुब्बियां, हेलीकॉप्टर और समुद्री विमान शामिल थे। इसका टेलीविजन् पर प्रसारण किया गया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,